दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-14, अंक -12 जबलपुर, रविवार 09 फरवरी 2025 कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

70 विधानसभा सीटों वाली दिल्ली में बीजेपी 48 सीटों पर कमल खिलाने में कामयाब रही। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी सिर्फ 22 सीटों पर सिमट गई

27 साल का वनवास खत्म, दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत

दिल्ली में कमल का कमाल, जनता ने अबकी बार कहा- नो केजरीवाल, कांग्रेस ने लगाई 0 की हैट्रिक

भाजपा मुख्यालय मे जश्न और हंगामा

नई दिल्ली-(आरएनएस)। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में 27 सालों बाद कमल का कमाल नजर आया है। वहीं प्रदेश की जनता ने इस बार नो केजरीवाल कहा है। वहीं इस बार के चुनाव में अगर किसी के लिए कुछ नहीं बदला तो वो देश की ग्रैंड ओल्ड पार्टी कांग्रेस है। जिसने जीरो की हैट्रिक लगाते हुए अपना पिछले दो बार का प्रदर्शन बरकरार रखा। 70 विधानसभा सीटों वाली दिल्ली में बीजेपी 48 सीटों पर कमल खिलाने में कामयाब रही। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी सिर्फ 22 सीटों पर सिमट गई। आप के उदय से पहले लगातार तीन बार शीला दीक्षित की अगुवाई में दिल्ली की सत्ता पर राज करने वाली कांग्रेस पिछले 3 चुनावों से एक सीट तक के लिए तरस गई है। दिल्ली में इस बार वोट शेयर की बात करें तो बीजेपी को करीब 46 फीसदी वोट मिले हैं जबकि आम आदमी पार्टी करीब 44 फीसदी वोट पाने में सफल रही है। 6.40 वोट शेयर के साथ कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की ईमानदार और स्वच्छ राजनीति के पैरोकार वाली छवि पर प्रहार, चुनाव लड़ने की कथित पारंपरिक शैली साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की जगह लोगों के मुद्दों को प्रमुखता और प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रबंधन ने राजधानी दिल्ली में 27 साल बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता में वापसी में प्रमुख भूमिका निभाई। इनके अलावा, जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बूथ स्तरीय लगातार छोटी-छोटी बैठकों ने भी भाजपा की जीत की बुनियाद गढ़ने में योगदान दिया।

केजरीवाल को मात देकर जायंट किलर बने प्रवेश

नयी दिल्ली सीट पर कड़े त्रिकोणीय मुकाबले में वर्मा को 30,088 वोट मिले, जबकि केजरीवाल को 25,999 वोट मिले। कांग्रेस के संदीप दीक्षित 4,568 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पश्चिमी दिल्ली से दो बार सांसद रहे वर्मा ने भाजपा द्वारा आधिकारिक तौर पर उनकी उम्मीदवारी घोषित किए जाने से पहले ही केजरीवाल के खिलाफ अपना अभियान शुरू कर दिया और खुद को दिल्ली के तीन बार के पूर्व मुख्यमंत्री के लिए मुख्य चुनौती के रूप में पेश किया। केजरीवाल पर उनकी जीत से न केवल राजधानी में भाजपा के सबसे प्रमुख जाट नेताओं में से एक के रूप में उनका कद बढ़ गया है, बल्कि मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदार के रूप में उनकी स्थिति भी मजबूत हो गई है। प्रबंधन में स्नातक वर्मा युवावस्था से ही राजनीति में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से शुरुआत की और फिर भाजपा में शामिल हुए। वर्ष 2014 और 2019 में पश्चिमी दिल्ली से लगातार लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने से पहले वह 2013 में महरौली से विधायक बने। वर्तमान में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य वर्मा अपने पिता (दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा) द्वारा स्थापित एक गैर-लाभकारी संगठन 'राष्ट्रीय स्वाभिमान' के माध्यम से सामाजिक कार्यों में भी शामिल रहे हैं।आप के शिक्षा मॉडल को सिसोदिया की हार से लगा झटका भाजपा के मारवाह ने जंगपुरा निर्वाचन क्षेत्र में सिसोदिया को 675 मतों के मामूली अंतर से हराया। मारवाह को 38,859 वोट मिले, जबकि सिसोदिया को 38,184 वोट मिले। कांग्रेस उम्मीदवार फरहाद सूरी को 7,350 वोट मिले। आप के प्रमुख रणनीतिकार और पार्टी के शिक्षा सुधारों का चेहरा रहे सिसोदिया दिल्ली आबकारी नीति मामले में 2023 में अपनी गिरफ्तारी के बाद 17 महीने जेल में बिताने के बाद चुनावी राजनीति में लौट आए थे। अगस्त 2024 में जमानत पर रिहा होने के बाद उन्होंने शिक्षा और शासन पर केंद्रित एक अभियान का नेतृत्व किया। हालांकि, पटपड़गंज के बजाय जंगपुरा सीट से सिसोदिया के चुनाव लड़ने के कदम से अटकलें तेज हो गईं, विरोधियों ने उन पर सुरक्षित सीट हासिल करने का आरोप लगाया।

आखिरकार चुनाव हार ही गए मफलर वाले केजरीवाल

भाजपा ने केजरीवाल समेत 26 में से 12 किले ढहाए

आप मुख्यालय में पसरा सन्नाटा- कांग्रेस रही शून्य बटे शून्य

महिला वोटरों का लगा श्राप -अब विपक्ष में बैठेगी पार्टी आप

सीएम.ऑफिस को किया गया सील

दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कमल का कमाल दिख रहा है और आप का बुरा हाल हुआ है। वहीं कांग्रेस तो लगातार तीसरी बार शून्य पर आउट हो गई है। दिल्ली में बीजेपी की बंपर जीत और आप की हार के साथ ही अरविंद केजरीवाल खुद तक अपनी सीट गंवा चुके हैं। लेकिन इन सब के बीच प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है। सुरक्षा स्थिति और सरकारी रिकॉर्ड के मद्देनजर दिल्ली सचिवालय को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

अराजकता, अहंकार और आप-दा की हुई हार, जिन्हें मलिक होने का घमंड था, उन्हें दिल्ली ने नकार दिया- पीएम मोदी

नई दिल्ली-(आरएनएस)। भाजपा ने 27 वर्षों के बाद दिल्ली में भारी जीत हासिल की है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी की जीत के जश्न में शामिल होने पर भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया। दिल्ली भाजपा के सांसदों ने भी नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया। यमुना मैया की जयकारे लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज दिल्ली में, दिल्ली के लोगों में एक उत्साह भी है और एक सुकून भी है। उत्साह विजय का है और सुकून दिल्ली को आप-दा से मुक्त कराने का है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने हर दिल्ली वासी के नाम एक पत्र भेजा था और आप सबने हर परिवार में मेरा ये पत्र पहुंचाया था। मैंने दिल्ली से प्रार्थना की थी कि 21वीं सदी में भाजपा को सेवा का अवसर दीजिए, दिल्ली को विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाने के लिए भाजपा को मौका दीजिए। उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली के हर परिवारजन को मोदी की गारंटी पर भरोसा करने के लिए सिर झुकाकर नमन करता हूं। मैं दिल्ली वासियों के आभार व्यक्त करता हूं।

मोदी ने कहा कि दिल्ली ने दिल खोलकर हमें प्यार दिया है। और मैं दिल्ली वासियों को फिर से एक बार विश्वास दिलाता हूं कि आपके इस प्यार को सवा गुना करके विकास के रूप में हम लौटाएंगे। उन्होंने कहा कि आज की ये विजय ऐतिहासिक है। दिल्ली के लोगों ने आप दा को बाहर कर दिया है। एक दशक की,आप दा से दिल्ली मुक्त हुई है। दिल्ली का जनादेश स्पष्ट है - आज दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत हुई है। आज आडंबर, अराजकता, अहंकार और दिल्ली पर छाई आप दा की हार हुई है। उन्होंने कहा कि इस नतीजे ने भाजपा के कार्यकर्ताओं की दिन रात की मेहनत, उनके परिश्रम को चार चांद लगा दिए हैं। आप सभी कार्यकर्ता इस विजय के हकदार हैं। मैं भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को इस विजय की बहुत बहुत बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली की जनता ने साफ कर दिया है कि दिल्ली की असली मालिक सिर्फ और सिर्फ दिल्ली की जनता है। जिनको दिल्ली का मालिक होने का घमंड था, उनका सच से सामना हो गया। दिल्ली के इस जनादेश से ये भी स्पष्ट है कि राजनीति में शॉर्टकट के लिए, झूठ और फरेब के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में दिल्ली की जनता ने मुझे कभी निराश नहीं किया।

दिल्ली सीएम की रेस में सबसे आगे प्रवेश वर्मा; 7 चेहरे जो बन सकते हैं दिल्ली के बादशाह

नई दिल्ली-(आरएनएस)। आखिरकार 26 साल बाद बीजेपी दिल्ली की सत्ता पर काबिज हो गई है। अब बारी है मुख्यमंत्री चुनने की। 7 नाम रेस में सबसे आगे हैं। वो कौन से नाम हैं और क्यों उनकी दावेदारी मजबूत है, आइए जानते हैंज

1. प्रवेश सिंह वर्माः दिल्ली का सबसे बड़ा जाट चेहरा प्रवेश वर्मा, पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा के बेटे हैं। पश्चिमी दिल्ली से लगातार दो बार सांसद रहे। 2019 में उन्होंने 5.78 लाख वोट से चुनाव जीता, जो दिल्ली के इतिहास में सबसे बड़ी जीत थी। इस बार नई दिल्ली सीट से उन्होंने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को 4099 वोट से हराया।

2. मनोज तिवारीः पूर्वांचल का बड़ा चेहरा

भोजपुरी एक्टर और सिंगर मनोज तिवारी, उत्तर-पूर्वी दिल्ली से लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव जीते 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने दिल्ली के 7 में से 6 सांसदों के टिकट काट दिए। इकलौते सिटिंग सांसद मनोज तिवारी को फिर से टिकट मिला। मनजिंदर सिंह सिरसाः मजबूत पंजाबी सिख नेता दो बार 2013 और 2017 में शिरोमणी अकाली दल की टिकट पर विधानसभा चुनाव जीते। तीसरी बार राजौरी गार्डन से विधायक चुने गए।4. स्मृति ईरानीः महिला और अल्पसंख्यक नेता 2010 से 2013 तक भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीं। 2014 में लोकसभा चुनाव हारने के बाद भी मंत्री बनीं। सबसे बड़ा महिला चेहरा।

उज्जैन सिंहस्थ 2028 के भव्य आयोजन के संकल्प के साथ आया हूं प्रयागराज- मुख्यमंत्री यादव

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महाकुंभ सनातन संस्कृति का गौरवशाली उत्सव है। विशेष ग्रह नक्षत्रों के शुभ संयोग में होने वाले महाकुंभ में सभी की आस्था का प्रकटीकरण होता है। साथ ही साधु-संतों के सान्निध्य में आत्मिक और आध्यात्मिक उन्नति का अवसर भी प्राप्त होता है। भारत वर्ष में प्रत्येक 12 वर्ष में अलग-अलग चार नगरों में होने वाले कुंभ में स्नान का अवसर कई जन्मों के पुण्य से प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री यादव ने प्रयागराज के महाकुंभ में पधारे श्रद्धालुओं को इस सौभाग्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि वे उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ = 2028 के दिव्य और भव्य आयोजन की तैयारी के संकल्प के साथ प्रयागराज आए हैं। मुख्यमंत्री यादव ने पवित्र संगम में डुबकी लगाने के बाद प्रदेशवासियों के

कल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री यादव ने प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के बाद कहा कि माँ गंगा, जमुना और सरस्वती की कृपा है, संगम का किनारा है। प्रयागराज सभी तीर्थों का राजा है। यहां आज कुंभ स्नान का जो आनंद आया है वह कई जन्मों के पुण्य के बाद प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ गंगा, यमुना और सरस्वती का प्रवाह अनंत काल तक निर्बाध रहे, सबका मंगल एवं कल्याण हो, ऐसी कामना करता हूँ। सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर साधु-संतों से भी लेंगे मार्गदर्शन मुख्यमंत्री यादव कहा कि कुंभ मेले में धर्म के प्रति आस्था के साथ अनेकों साधु-संतों का सत्संग मिलता है, जिससे जीवन की सार्थकता सिद्ध होती है। वृहस्पति के सिंह राशि में प्रवेश करने पर उज्जयिनी में सिंहस्थ का आयोजन होता है। समुद्र मंथन की आलौकिक घटना से भी इसका संबंध है। इस अवसर पर ऋषि-मुनि, साधु-सन्यासी, तपस्वी एवं श्रद्धालु आस्था के इस महापर्व में शामिल होते हैं और आस्था के साथ पवित्र स्नान करते हैं। उन्होंने कहा कि उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिए, प्रयागराज महाकुंभ में हुई तैयारियों से मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों का दल प्रयागराज भेजा गया है। महाकुंभ में पधारे साधु-संतों से भी इस संबंध में मार्गदर्शन लिया जाएगा। मुख्यमंत्री यादव ने बताया कि तीर्थराज प्रयाग की पावन भूमि पर महाकुंभ में मध्यप्रदेश का पंडाल भी लगाया गया है,

भाजपा की जीत पर डॉ. मोहन यादव की प्रतिक्रिया

भोपाल- सत्य कभी पराजित नहीं होता। जिस तरह से प्रधानमंत्री जन कल्याण की भावना के साथ शासन कर रहे हैं, दिल्ली की जनता ने भी उन पर भरोसा जताया है। पहले हरियाणा, फिर महाराष्ट्र और अब दिल्ली, यह सिलसिला जारी रहेगा। मेरी तरफ से बधाई... बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत की, बीजेपी भारी बहुमत से जीत रही है।

'भाजपा को बधाई आत्ममुग्ध, चरित्रहीन को दंड मिला'

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों के शुरूआती रुझानों में अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी पीछे चस रही है। वहीं, केजरीवाल भी अपनी नई दिल्ली सीट से पीछे हैं। इसी को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे का बयान सामने आया है। अन्ना हजारे ने कहा कि मैंने हमेशा कहा है कि उम्मीदवार का आचरण, विचार शुद्ध होना चाहिए, जीवन दोष रहित होना चाहिए, त्याग होना चाहिए। ये गुण मतदाताओं को उस पर विश्वास दिलाते हैं। अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए हजारे ने कहा कि मैंने उनको बताया लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया और आखिरकार उनका ध्यान शराब पर केंद्रित हो गया। यह मुद्दा क्यों उठा? वह धनबल से अभिभूत थे। इस बीच भाजपा नेताओं ने पार्टी कार्यालय में बैठक की क्योंकि चुनाव आयोग के रुझानों के अनुसार भाजपा बहुमत के आंकड़े से काफी ऊपर है

दिल्ली चुनाव के नतीजों पर प्रियंका गांधी का पहला रिएक्शन

मुझे नहीं पता, मैंने अब तक नहीं देखा

नई दिल्ली-(आरएनएस)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा शनिवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर पूछे गए सवाल को टाल गईं। राष्ट्रीय राजधानी में मतगणना जारी है, शुरुआती रुझानों में आप और बीजेपी के बीच कांटे की टक्कर दिखाई दे रही है, जबकि कांग्रेस निर्णायक हार की ओर बढ़ती दिख रही है। केरल के कन्नूर में सवाल पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने कहा, मुझे नहीं पता, मैंने अभी तक नतीजों की जांच नहीं की है। इस बीच, इंटरनेट पर दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन का मजाक उड़ाने वाले मीम्स की बाढ़ आ गई। नेटिज़ेंस ने संख्याओं पर दिलचस्प राय रखी, जिससे पता चला कि शुरुआती रुझानों में कांग्रेस 0 और 1 सीटों के बीच अटकी हुई थी। भारतीय चुनाव आयोग के शुरुआती रुझानों में भी पार्टी को शून्य बढ़त मिली। इससे पहले दिन में, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान तेज हुई आप और कांग्रेस के बीच लड़ाई का मजाक उड़ाते हुए एक मीम साझा किया। दिल्ली की 70 विधानसभा सीट के लिए जारी मतगणना के शुरुआती रुझानों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 43 जबकि आम आदमी पार्टी (आप) 27 विधानसभा सीट पर आगे है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर यह जानकारी दी गई है। नयी दिल्ली सीट पर तीन दौर की मतगणना के बाद 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल 343 मतों से आगे हैं। हालांकि, जगपुरा में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया 1,314 मतों से पीछे हैं। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार कालकाजी में मुख्यमंत्री आतिशी पहले दौर की मतगणना के बाद भाजपा के रमेश बिधूड़ी से 1,149 मतों से पीछे हैं।

आज न्याय हुआ है, अरविंद केजरीवाल के हारते ही कुमार विश्वास ने दिया तगड़ा रिएक्शन

नई दिल्ली-(आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए वोटों की गिनती जारी है और नवीनतम रुझानों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में परचम लहराने की ओर अग्रसर है। कवि और सामाजिक कार्यकर्ता कुमार विश्वास ने अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि न्याय मिल गया है। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा को जीत के लिए बधाई देता हूं और मुझे उम्मीद है कि वे दिल्ली के लोगों के लिए काम करेंगे। केजरीवाल पर बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कुमार विश्वास ने कहा कि मुझे उस आदमी से कोई सहानुभूति नहीं है जिसने आप पार्टी के कार्यकर्ताओं के सपनों को कुचल दिया। दिल्ली अब उससे आज़ाद है।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गोसलपुर में अतुल तिवारी उम्र 34 वर्ष निवासी जयप्रकाश नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि प्राईवेट काम करता है आज वह अपनी स्कूटी क्रमांक एमपी 20 जेड के 0815 में अपने मौसा दिनेश दुबे को बैठाकर जबलपुर से सिहारा रिश्तेदारी मे जा रहा था लगभग 11-30 बजे जैसे ही रामपुर गांव के आगे पहुँचा तभी पीछे से एक मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 जेड एल 9416 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये उसकी गाड़ी में टक्कर मार दिया जिससे वह एवं मौसा दिनेश दुबे गाड़ी सहित गिर गये जिससे दोनों को हाथ पैर एवं शरीर में चोट आयी

312 श्रद्धालुओं के साथ महाकुंभ स्नान हेतु प्रयागराज हुए रवाना हुए विधायक डॉ अभिलाष पांडे

महाकुंभ का आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और आर्थिक महत्व, साथ ही देश की सामाजिक समरसता का जीवंत प्रकटीकरण-अभिलाष पांडे

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पांडे 312 से अधिक श्रद्धालुओं के साथ पवित्र कुंभ स्नान हेतु शनिवार को सेवा सदन जबलपुर से प्रयागराज रवाना हुए,महाकुंभ स्नान एवं दर्शन हेतु विधायक डॉ पांडे के साथ लगभग 65 से अधिक वाहनों में 312 से अधिक श्रद्धालु सनातनी आस्था और परंपरा के सबसे बड़े आयोजन में बड़ी संख्या में सपरिवार शामिल हो रहे हैं।

इस अवसर पर उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पांडे ने कहा कि सनातनी परम्परा एवं आस्था के महापर्व प्रयागराज महाकुंभ का हम सभी सनातनियों के जीवन में विशेष महत्व है, डॉ पांडे ने कहा कि गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन त्रिवेणी संगम पर आयोजित धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए सनातन लोकतांत्रिक परंपराओं का सजीव अनुभव करने का अवसर महाकुंभ के माध्यम से हम सभी को प्राप्त होगा।

आधुनिकता की उन्मत्त गति की विशेषता वाली दुनिया में, कुछ ही आयोजन ऐसे होते हैं जो करोड़ों लोगों को अपने से बड़े उद्देश्य की खोज में एकजुट करने की क्षमता रखते हैं। महाकुंभ मेला, 12 वर्षों की अवधि में चार बार होने वाला एक श्रद्धेय मेला, इस उद्देश का उदाहरण है। कुंभ मेला, दुनिया भर में सबसे बड़ा शांतिपूर्ण सम्मेलन है, जिसमें लाखों तीर्थयात्री आते हैं जो अपने पापों को शुद्ध करने और आध्यात्मिक मुक्ति प्राप्त करने के लिए पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं। सनातन के हर उत्सव और अनुष्ठान के पीछे शास्त्रीय आधार होता है। उन्हें जोश और उत्साह के साथ-साथ एक ठोस वैज्ञानिक, ऐतिहासिक और दार्शनिक आधार के साथ सम्मानित किया जाता है। ये सभी विशेषताएँ मिलकर किसी त्योहार को मनाने या अनुष्ठान करने का कारण प्रदान करती हैं। इन अनुष्ठानों का उद्देश्य किसी व्यक्ति को आध्यात्मिक मार्ग पर ले जाना है जहाँ वे पूर्ण मनोवैज्ञानिक संतुलन, नवीनीकरण और विश्राम प्राप्त कर सकें

एक डुबकी उत्तर मध्य विधानसभा के विकास एवं लोगों के जीवन में सुख और समृद्धि हेतु- डॉ अभिलाष पांडे

विधायक डॉ पांडे ने कहा कि उत्तर मध्य विधानसभा के 312 श्रद्धालुओं के साथ आस्था के महाकुंभ में एक डुबकी उत्तर मध्य विधानसभा के विकास के एवं लोगों के जीवन में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली हेतु एवं लोगों के जीवन में सकारात्मकता एवं स्वछंदता के प्रवेश हेतु हम सब लगाएंगे। सभी के लिए प्रयागराज महाकुंभ में हमारी ओर से पूर्ण व्यवस्था की गई है जहां हम सब मिलकर इस पावन आयोजन में शामिल होंगे।

जबलपुर रेल मंडल में अंतर विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आज से जबलपुर रेल मंडल में अंतर विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता पुरुष एवं महिला जिसमें क्रिकेट, वालीबाल, बास्केटबाल, शतरंज, बैडमिंटन एवं एथलेटिक्स खेल का आयोजन रेलवे स्टेडियम जबलपुर में किया जा रहा है जिसका शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा द्वारा क्रिकेट खेल कर शुरू किया गया।

पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल में दिनांक 08.02.2025 को तीन क्रिकेट मैच खेले गए जिसमें पहले मैच में सिग्नल एवं दूरसंचार ने इलेक्ट्रिकल जी को 9 विकेट से हराया सिग्नल एवं दूरसंचार से महमूद ने सर्वाधिक 24 रन और एक विकेट लिया दूसरा मैच टीआरओ और टीआरएस (एनकेजे) के बीच खेला गया जिसमें टीआरएस ने टीआरओ को 8 विकेट से हराया टीआरएस की ओर से राहुल यादव ने सर्वाधिक 27 रन मारे तीसरा मैच स्टोर वर्सेस पर्सनल के बीच खेला गया जिसमें पर्सनल विभाग ने स्टोर विभाग को आठ विकेट से हराया पर्सनल विभाग की ओर से प्रवीन नेगी की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की मदद से विजय रहे इस मैच के अंपायर रहे विक्रम जसरी, कैलाश यादव, हसन अली, असलम अली और गुलाम गौस । अंतर विभागीय प्रतियोगिता में खेलकूद अधिकारी श्री सुबोध विश्वकर्मा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, सीनियर डीएससी श्री मुनव्वर खान, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरओ) श्री अक्षय कुमरावत, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री रजनीकांत साहू, डीईएन श्री पीके श्रीवास्तव, ब्रांच वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के सचिव श्री डीपी अग्रवाल, सहायक सामग्री प्रबंधन अनुज पाल, सहायक कार्मिक अधिकारी श्री सचिपति नंदन, मंडल खेलकूद सचिव सुबोध मुकुन्द गोसावी एवं अन्य उपस्थित थे कल रविवार को भी तीन मैच होंगे। पहला मैच 10:00 बजे शुरू होगा।

शरद अग्रवाल ने दिल्ली की जीत पर हर्ष व्यक्त किया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारतीय जनता पार्टी व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री शरद अग्रवाल ने देश की राजधानी दिल्ली में चुनाव हुए जिसमें भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत हुई । श्री अग्रवाल ने कहा यह जीत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन की जीत है यह भाजपा के कार्यकर्ताओं की जीत है दिल्ली में भाजपा को ऐतिहासिक बहुमत मिलते हुए भारतीय जनता पार्टी अपनी जीत हासिल कर रही है इस पर श्री अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त किया

भारतीय रेल-कश्मीर चलें हम!

चिनाब नदी के गहरे हरे पानी को मापता दुनिया का सबसे ऊँचा रेल पुल, आपको तेज़ सर्द हवाओं के साथ रोमांच का भी अनूठा एहसास कराता है। ऊंची-ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा चिनाब नदी का यह पुल, समुद्र तल से 359 मीटर ऊपर है - ऊँचाई में, एफिल टॉवर से 35 मीटर, और कुतुब मीनार से लगभग पाँच गुना यादा ऊँचा! बादलों का मुकुट पहने, पहाड़ों के सीने पर चौड़ी और मज़बूत नींवों के सहारे अडिग खड़ा यह पुल भारतीय रेल की प्रौद्योगिकी चेतना का प्रतीक तो है ही, हमारी आधुनिकीकरण की आकांक्षाओं का सचेतक भी है। अत्याधुनिक मशीनरी और रखरखाव से लैस, 266 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ़्तार की हवाओं का सामना करने में सक्षम, चिनाब पुल उधमपुर - श्रीनगर - बारामुला रेल लिंक (स्क्क्रू) की उत्कृष्ट उपलब्धियों का द्योतक है।

लगभग ?37,000 करोड़ की लागत से निर्मित, स्क्क्रू की 272 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन, विश्व की सबसे जटिल और चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं में से एक है।

दुर्गम गहन घाटियों और ऊँचे पहाड़ों को चीरती ये रेलवे लाइन 943 पुलों और 36 मुख्य सुरंगों से होकर गुज़रती है, जिसमें भारत की सबसे लंबी रेलवे सुरंग, ञ्ञ-50, जो 12.77 किलोमीटर लंबी है, शामिल है। स्क्क्रू के कटरा - बनिहाल सेक्शन पर भारत का पहला केबल-स्टेड रेल पुल, अंजी खड्ड ब्रिज है। 96 केबल्स के सहारे टिका, समुद्र तल से 331 मीटर ऊँचा और 725 मीटर लंबा पुल, डिज़ाइन और इंजीनियरिंग का बानगी है।

कश्मीर को समग्र और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करती यह लाइन, दुनिया के सबसे आकर्षक एवं सुहावने मंज़र को भी अपने अनुभवों में पिरोए हुए है। यह रेल लिंक पर्यटन, व्यापार और सुरक्षा को बढ़ावा देने में सक्षम है जिससे जम्मू और कश्मीर के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य मे भी उन्नति होगी। इस लाइन पर बने रेलवे स्टेशन जम्मू और कश्मीर की प्रगति, सुरक्षा और समृद्धि की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं। काज़ीगुंड, जिसे %कश्मीर घाटी का प्रवेश द्वार% भी कहा जाता है, दक्षिण कश्मीर और पूर्वी क्षेत्रों के मध्य एक महत्वपूर्ण संपर्क के रूप में कार्य करता है। पंपोर, श्रीनगर, सोपोर और अनंतनाग स्टेशन कश्मीर घाटी की आर्थिक गतिविधि के प्रमुख केंद्र हैं। इसके अलावा, रियासी एवं कटरा स्टेशन, माता वैष्णो देवी मंदिर से निकटता के कारण आध्यात्मिक और आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। जल्द ही कटरा से श्रीनगर के लिए अत्याधुनिक वन्दे भारत ट्रेन का स्क्क्रू रेलवे लाइन पर नियमित रूप से परिचालन होगा, जिसका हम सब देशवासियों को भी बेसब्री से इंतज़ार है! यहाँ परिचालित होने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को कश्मीर की सर्दी एवं बर्फ़बारी की चुनौतीपूर्ण परिस्तिथियों में सुचारू संचालन के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। आधुनिक सुविधाओं के अलावा, इसके उन्नत हीटिंग सिस्टम्स यह सुनिश्चित करते हैं कि यह ट्रेन, शून्य से नीचे के तापमान में भी, आरामदायक एवं सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करे। ड्राइवर के सामने के ग्लास मे भी हीटिंग उपकरण लगे है, ताकि सर्दी में भी स्पष्ट दृश्यता हो सके। कश्मीर की अपनी वन्दे भारत विश्व स्तरीय यात्रा के लिए तैयार है।

कश्मीर से कन्याकुमारी% तक भारत हमेशा एक रहा है। भारतीय रेल की यह नवनिर्मित रेलवे लाइन, इस क्षेत्र को वर्षों से बाधित विकास कार्यों को पूरा करने के साथ कश्मीर को निर्बाध रेल कनेक्टिविटी प्रदान कर रही है, जिसके साथ ही यह सम्पूर्ण क्षेत्र विकास के नये आयाम तय करेगा। कश्मीर घाटी का प्रहरी, पीर पंजाल, बनिहाल सुरंग से गुज़रती ट्रेन के पहियों के मधुर संगीत के इंतजार मे है! सचमुच, कश्मीर अब दूर नहीं है!

जया वर्मा सिन्हा
भारतीय रेल की पूर्व अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी

जेनको क्रिकेट लीग के सेमीफाइनल में पहुंची रॉयल्स और वॉरियर्स

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के तत्वावधान में आयोजित जेनको क्रिकेट लीग के चौथे दिन आज रामपुर परिसर स्थित पाण्डुताल मैदान में खेले गए मैचों रॉयल्स इलेवन ने लीजेन्ड्स को 7 विकेट से पराजित करके दूसरी विजय प्राप्त की वहीं वॉरियर्स ने हिटर्स को 8 विकेट से पराजित करके लीग मैच में प्रथम बार मैच जीतने में सफलता हासिल की। आज का मैच हारने के बावजूद लीजेन्ड्स सेमीफाइनल में पहुंच गई। आज हुए मैच में डायरेक्टर टेक्निकल सुबोध निगम, अतिरिक्त मुख्य अभियंता हर्ष गुप्ता व उदित अग्रवाल ने पूरे समय उपस्थित रह कर खेलने वाली टीमों का हौंसला बढ़ाया।

सधी गेंदबाजी और अच्छी फील्डिग से रॉयल्स ने जीता मैच-आज खेले गए पहले मैच में रॉयल्स इलेवन ने लीजेन्ड्स को में 7 विकेट से पराजित किया। यह लीग में रॉयल्स इलेवन की दूसरी विजय थी। रॉयल्स इलेवन के कप्तान सुहेल ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। लीजेन्ड्स ने निर्धारित 12 ओवर में 8 विकेट खोकर 69 रन बनाए। लीजेन्ड्स के सलामी बल्लेबाजों अंकित एडविन व अमित ने पहले विकेट की साझेदारी में 19 रन बनाए। इसके बाद अन्य बल्लेबाज कोई खास जौहर नहीं दिखा जाए, सिर्फ शकील परवेज 14 व कप्तान प्रशांत सिंह भदौरिया ने 13 रन बनाकर पारी संभालने की कोश?श की। रॉयल्स के पांचों गेंदबाजों ने सधी हुई गेंदबाजी की और पूरी टीम ने अच्छी फील्ड?ंग भी करके लीजेन्ड्स के रन बनाने पर अंकुश बनाए रखा। रॉयल्स के कप्तान सुहेल ने दो विकेट लिए और दो बल्लेबाज रन आउट हुए। जवाबी पारी खेलने उतरी रॉयल्स इलेवन ने 10 ओवर में ही 3 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर मैच को जीत लिया। रॉयल्स के कप्तान सुहेल व विक्रम बनाफर ने पहले विकेट की साझेदारी में 3.5 ओवर में 24 रन ठोक दिए। इसके बाद रॉयल्स इलेवन के आनंद गुप्ता व सुभांशू क्रमश- 18 व 11 रन बनाकर नाबाद रहे और उन्होंने अपनी टीम को मैच जितवा दिया। लीजेन्ड्स के सभी गेंदबाज महंगे साबित हुए। वे न तो रनों पर नियंत्रण रख पाए और न ही विकेट ले पाए। इस मैच में मेन ऑफ मैच रॉयल्स इलेवन के कप्तान सुहेल रहे। मैच के अंपायर संदीप बर्मन व तरुण विजयकर थे। बल्लेबाजों ने जिताया वॉरियर्स को-आज के दूसरे लीग मैच में वॉरियर्स ने हिटर्स को 8 विकेट से पराजित किया।

वॉरियर्स के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। हिटर्स ने 12 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 105 रन बनाए। हिटर्स की ओर से सुशील पाल ने 16, गिरीश सिंह 18, अतुल यादव 15 व पुष्पेन्द्र पटेल ने 28 रन का योगदान देकर मजबूत स्कोर खड़ा किया। वॉरियर्स के गेंदबाज आज प्रभावहीन रहे। जवाबी पारी खेलने उतरी वॉरियर्स के सलामी बल्लेबाज के. विनय राव व नितिन नागवंशी ने पहले विकेट की साझेदारी में 60 रन बनाकर पारी की सुदृढ़ आधारशि?ला रखी। के. विनय राव ने 44 व नितिन नागवंशी ने 26 बहुमूल्य रनों का योगदान देकर अपनी टीम को जीत के निकट ला खड़ा किया। इसके बाद कमलेश विकेट ने नाबाद 15 रन बनाकर अपनी टीम को विजय दिला कर सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। पूरे मैच में हिटर्स के गेंदबाज लेंथ व लाइन तलाशते रहे और उन्होंने 14 अतिरिक्त रन वाइड व नो बॉल फेंक कर विपक्षी टीम को भेंट किए। वॉरियर्स ने जीत का लक्ष्य सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पाकर हासिल कर लिया। मैच के अंपायर सुबोध धांडे व संजय झरबड़े रहे। सेमीफाइनल मैच 10 फरवरी को-10 फरवरी को जेनको क्रि?केट लीग के अंतर्गत रामपुर परिसर स्थि?त पाण्डुताल मैदान में पहला सेमीफाइनल मैच दोपहर 1.00 बजे से लीजेन्ड्स व चार्जर्स और दूसरा सेमीफाइनल मैच 3.30 बजे वॉरियर्स व रॉयल्स इलेवन के मध्य खेला जाएगा।

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला स्नेह सम्मेलन इस वर्ष भी अत्यंत हर्षोउल्लास के साथ आयोजित किया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला स्नेह सम्मेलन इस वर्ष भी अत्यंत हर्षोउल्लास के साथ 08/02/2025 को वार्षिक स्नेह सम्मेलन आरोहण के रूप में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अलकेश चतुर्वेदी (प्राचार्य, पी.एम.श्री. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस) एवं स. एम.एस. चावला जी (अध्यक्ष, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा एजुकेशन सोसाइटी, जबलपुर) की गरिमामई उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी के समक्ष पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, तत्पश्चात सरस्वती वंदना एवं गुरु साहिब जी का पावन शब्द कीर्तन हुआ। इसके उपरांत मुख्य अतिथि ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन आपके लिए अपनी प्रतिभा दिखाने, नए अनुभव प्राप्त कर यादगार क्षण बनाने और अपने कौशल को निखारने का अवसर है। आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। इसके उपरांत महाविद्यालय के माननीय प्राचार्य डा. आर. एस. चंडोक जी ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं है अपितु आपके व्यक्तित्व विकास का भी स्थान हैं। क्योंकि सफलता केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सृजनात्मकता से भी मिलती हैं, आप सभी महाविद्यालय के गौरव हैं और हमे विश्वास है आप अपने ज्ञान और कौशल से ना केवल महाविद्यालय का अपितु पूरे समाज और देश का नाम रोशन करेंगे। आइए हम और आप मिलकर ज्ञान, नवाचार जैसे संस्कारो की इस परंपरा को आगे बढाए। आज का यह आयोजन केवल आपकी शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव नहीं है यह आपकी मेहनत और संघर्षों का भी सम्मान हैं। क्योंकि जीवन में सफलता अनुशासन और निरंतर प्रयास से ही मिलती हैं। अत: अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करते रहे। इसके उपरांत अध्यक्ष महोदय स. एम.एस. चावला जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस मंच के माध्यम से मै उन सभी विद्यार्थियों को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने इस वर्ष अपनी मेहनत और लगन से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आपकी मेहनत और आपका असीम उत्साह ही आपको अपने सपने साकार करने में मदद करेगा अंत में उन्होंने सभी केउज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। अगले चरण में विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, नाटक गायन व रैंप वॉक जैसे रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इसके उपरांत अंतरमहाविद्यालयीन एवं संभाग स्तरीय शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं में विजयी विद्यार्थियों को गणमान्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। सर्वप्रथम खेल कूद गतिविधियों के अंतर्गत, जोन स्तर पर शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बी.बी.ए. के छात्र कौशिक केवट को, राष्ट्रीय स्तर पर तीरंदाजी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बी.कॉम. की छात्रा अपर्णा पटेल को, एवं जिला स्तरीय टेबिल टेनिस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बी.कॉम. की छात्रा युविका गुप्ता को पुरस्कृत किया गया। इसके उपरांत सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में संभाग स्तर पर द्वितीय तथा जिला स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त करने पर, बी.एड. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा साक्षी कुरचनिया को, अंतरमहाविद्यालयीन स्तर पर पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बी.एड. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा ईशा सैयाम को, तथा एल.एल.बी. की छात्रा काजल नामदेव को द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर, पुरस्कृत किया गया। तदोपरांत शैक्षणिक गतिविधियों के अंतर्गत सभी संकायों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मोखा सम्मान, खनूजा सम्मान, बांगा सम्मान, छाबडा सम्मान, सूरी सम्मान, सहगल सम्मान आदि से पुरस्कृत किया गया। इस दौरान सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए सुव्यवस्थित रूप से भोजन की व्यवस्था की गई। सांस्कृतिक प्रभारी डॉ शिवमणि मिश्रा द्वारा सभी का आभार प्रदर्शन किया गया। मंच संचालन डॉ हर्षिता शुक्ला एवं डॉ नेहा ताम्रकार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय के सभी शैक्षणिक, अशैक्षणिक सदस्यों एवं विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भोपाल -कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं। किसान कल्याण एवं म.प्र. राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अंतर्गत किसानों एवं व्यापारियों को अनेक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। एमपी फार्मगेट ऐप के माध्यम से किसान अपनी उपज को घर बैठे बेच सकते हैं।

ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड वाटर रीचार्ज परियोजना-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अंतर्राज्यीय नदी परियोजना का अवरोध हुआ दूर, महाराष्ट्र के साथ शीघ्र होगा करार

भोपाल (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज योजना विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड रीचार्ज परियोजना है। इस अंतर्राज्यीय संयुक्त परियोजना का अवरोध अब दूर हो गया है तथा हम शीघ्र ही महाराष्ट्र सरकार के साथ चर्चा कर करार करने की ओर बढ़ रहे हैं। जल्द ही केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को भोपाल आमंत्रित कर करार की कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज एवं कन्हान उप कछार परियोजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक कर अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इन दोनों ही परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं। ताप्ती मेगा रिचार्ज योजना के जरिए हम महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ताप्ती नदी की तीन धाराएं बनाकर राष्ट्रहित में नदी जल की बूंद-बूंद का उपयोग सुनिश्चित कर कृषि भूमि का कोना-कोना सिंचित करेंगे। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा और मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना को राष्ट्रीय जल परियोजना घोषित कराने के लिए केन्द्र सरकार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि ताप्ती बेसिन और कन्हान उप कछार में मध्यप्रदेश द्वारा प्रस्तावित कन्हान (जामघाट) बहुउद्देशीय परियोजना में मध्यप्रदेश के जल हितों का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके लिए महाराष्ट्र राज्य से सतत संवाद कर दोनों परियोजनाओं के?क्रियान्वयन में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना में कुल 31.13 टी.एम.सी. जल का उपयोग होगा। इसमें से 11.76 टी.एम.सी मध्यप्रदेश को और 19.36 टी.एम.सी जल महाराष्ट्र राज्य के हिस्से में आएगा। इस परियोजना में प्रस्तावित बांध एवं नहरों से मध्यप्रदेश कुल 3 हजार 362 हेक्टेयर भूमि उपयोग में लाई जाएगी। परियोजना के अंतर्गत कोई गांव प्रभावित नहीं होगा अत- इसमें पुनर्वास की भी आवश्यकता नहीं होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अपने विकास की यात्रा में सभी सेक्टर्स में लगातार काम कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उनकी भावना के अनुसार हम मध्यप्रदेश की नदियों का आसपास के राज्यों से सुखद और दोनों राज्यों के हितों के बंटवारे के क्रम को लगातार बनाए हुए हैं। हमारे राज्य के किसानों के खेतों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिले, पीने के पानी के साथ-साथ औद्योगीकरण के लिए भी पर्याप्त पानी दिया जा सके और राज्यों के बीच में भी हमारा सुखद और सौहार्द्र बना रहे, इस निमित्त से हम वर्षों से लंबित जल बंटवारे के मसलों को हल करते हुए इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में आज हम महाराष्ट्र के साथ नदी जल बंटवारे के मसले के निराकरण के लिए प्राथमिक चरण की चर्चा के लिए आगे बढ़े हैं। महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री की भी यही भावना है। वे भी चाहते हैं कि मध्यप्रदेश के साथ ताप्ती और कन्हान नदी की जो नदी जल परियोजनाएं वर्षों से लंबित थीं, उनके निराकरण के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री के मार्गदर्शन और उनके परामर्श से इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के पूरा होने पर मध्यप्रदेश के 1 लाख 23 हजार 82 हेक्टेयर भू-क्षेत्र और महाराष्ट्र के 2 लाख 34 हजार 706 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की स्थाई सुविधा उपलब्ध होगी। इस परियोजना से म.प्र. के बुरहानपुर एवं खण्डवा जिले की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार एवं खालवा की कुल चार तहसीलें लाभान्वित होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसी प्रकार कन्हान उपकछार में जल उपयोगिता के लिए मध्यप्रदेश द्वारा प्रस्तावित छिंदवाड़ा कॉम्पलेक्स बहुउद्देशीय परियोजना के माध्यम से महाराष्ट्र के नागपुर शहर को भी पानी मिलेगा और हमारे छिंदवाड़ा जिले के कृषि क्षेत्र में भी पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। हम प्रदेश की एक-एक नदी के एक-एक बूंद जल का समुचित उपयोग राष्ट्र और राज्य के हित में करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जिस तरह पिछले दिनों हमने पार्वती-काली सिंध-चंबल परियोजना का राजस्थान के साथ कार्य प्रारंभ किया है, उसी प्रकार उत्तर प्रदेश के साथ केन-बेतवा नदी जोड़ो की बड़ी राष्ट्रीय परियोजना पर काम किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में अब हमने इस तीसरी राष्ट्रीय नदी जल परियोजना के जरिए महाराष्ट्र राज्य के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। इस परियोजना से महाराष्ट्र के उत्तर क्षेत्र एवं मध्यप्रदेश के दक्षिण क्षेत्र के हिस्से को पर्याप्त जल उपलब्ध कराएंगे। साथ ही बल्कि नागपुर जैसे बड़े शहर में पीने के पानी की समस्या और छिंदवाड़ा जिले में भी सिंचाई जल की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दोनों राज्यों के अधिकारी आपस में संवाद करेंगे और इन परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ेंगे। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट और विधायक श्रीमती चिटनीस ने निमाड़ क्षेत्र की जीवन रेखा बदलने वाली ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार माना। ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्यों की संयुक्त परियोजना के रूप में प्रस्तावित है। इस योजना से मध्यप्रदेश के 1,23,082 हेक्टेयर क्षेत्र में एवं महाराष्ट्र के 2,34,706 सेक्टर में सिंचाई प्रस्तावित है. योजना में भूजल भंडारण का विस्तार किया जाएगा, जिससे प्रदेश के बुरहानपुर एवं खंडवा जिलों की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार एवं खालवा तहसीलें लाभान्वित होंगी.

मध्यप्रदेश के 2202 गांवों में लगेंगे 1650 मोबाइल टॉवर, आदिवासी क्षेत्रों को मिलेगी बेहतर कनेक्टिविटी

संसद में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सिंधिया का बड़ा ऐलान

मध्यप्रदेश (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के 2202 गांवों में लगेंगे 1650 मोबाइल टॉवर, आदिवासी क्षेत्रों को मिलेगी बेहतर कनेक्टिविटी

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संसद में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दूरसंचार क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति हुई है। उन्होंने बताया कि देश में 116 करोड़ मोबाइल उपयोगकर्ता हैं, जबकि 2014 में यह संख्या मात्र 25 करोड़ थी। इंटरनेट यूजर्स 97.4 करोड़ से अधिक हो चुके हैं।

सिंधिया ने डेटा लागत में आई कमी का उल्लेख करते हुए कहा कि 2014 में ब्रॉडबैंड डेटा ?270 प्रति लक्क था, जो अब मात्र ?9.70 प्रति लक्क रह गया है, जिससे भारत दुनिया में सबसे सस्ता डेटा उपलब्ध कराने वाला देश बन गया है। मध्यप्रदेश के दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों में संचार सेवाएं होंगी सुदृढ़

राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी के प्रश्न पर केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश के 2202 गांवों में 1650 मोबाइल टॉवर लगाए जाएंगे। अब तक 981 गांवों में 771 टॉवर स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे लाखों लोगों को बेहतर नेटवर्क सुविधा मिल रही है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भी होगी मजबूत नेटवर्क सुविधा

सिंधिया ने बताया कि 160 आदिवासी बहुल गांवों में 138 मोबाइल टॉवर लगाने का निर्णय लिया गया है। जुलाई 2024 में आदिवासी मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित इस योजना का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, और जल्द ही काम पूरा कर लिया जाएगा, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर संचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी। श्री सिंधिया करेंगे क्षेत्र का दौरा बता दें कि सिंधिया शनिवार, 8 फ़रवरी से अपने संसदीय क्षेत्र गुना का दौरा करेंगे।

दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट में आत्मनिर्भर और स्वावलंबी आदर्श ग्राम विषय पर कार्यशाला का किया शुभारंभ

प्रदेश सरकार जन सुविधाओं को हर कोने हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिये संकल्पित - उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल-(आरएनएस) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जन सुविधाओं को हर कोने हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिये संकल्पित है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं में जन सहभागिता सुनिश्चित करने में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका है और आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की सोच को साकार करते हुए अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाने में शासन के साथ-साथ उसे जन-जागरूकता तंत्र की भूमिका महत्वपूर्ण है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दीन दयाल शोध संस्थान चित्रकूट में आत्मनिर्भर और स्वावलंबी आदर्श ग्राम विषय पर दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गांव में अब पहले से ज्यादा सुविधाएं हैं। आदर्श ग्रामों के विकास के लिए अनुकूल समय है।

दीनदयाल शोध संस्थान का मार्गदर्शन और मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद का समर्पण इस दिशा में निर्णायक बदलाव ला सकता है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख के आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी ग्रामों के चित्रकूट मॉडल को सम्पूर्ण प्रदेश में विस्तारित करने के उद्देश्य से दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने कहा कि गांव की समृद्धि और विकास के लिये आवश्यक है कि सभी ग्रामवासियों की सम्पूर्ण प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। तभी स्थायी और सतत परिणाम होंगे। उन्होंने परिषद अमले को कहा कि गांव में सिखाने नहीं सीखने के भाव से जाएं। दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि नाना जी का मानना था कि कर्मठता और स्वावलंबन से ही ग्राम जीवन में बदलाव आ सकता है। नाना जी ने अपने समय की समस्त चुनौतियों को संबोधित किया है। उनका विकास मॉडल सर्वे भवंतु सुखिन: का उदघोष करता है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ.धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने कहा कि परिषद की उपस्थिति अधिकांश पंचायतों में है। नवांकुर संस्थाओं और प्रस्फुटन समितियों सहित प्रदेश में सीएमसीएलडीपी के 50 हजार विद्यार्थियों के साथ परिषद सबसे महत्वपूर्ण मैदानी संगठनों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अपेक्षाओं के अनुरूप इस प्रशिक्षण से परिषद अमले को ग्राम-समाज को समझने और बदलावों की गतिविधियों के चिन्हांकन के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिलेगा।

लाड़ली बहनों को फिर मिलेगा तोहफा, जल्द आने वाली है 21वीं किस्त, खाते में आएंगे 1250 रुपए, जानें डिटेल्स

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 1.27 करोड़ लाभार्थी बहनों के लिए खुशखबरी है। 4 दिन बाद योजना की 21वीं किस्त जारी होने की उम्मीद है, इसके तहत फिर बहनों के खाते में 1250 रुपए भेजे जाएंगे।इससे पहले 12 जनवरी को योजना की 20वीं किस्त भेजी गई थी। फ्लिहाल फाइनल डेट को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

लाड़ली बहना योजना एमपी की महिलाओं के लिए चलाई जा रही बड़ी योजनाओं में से एक है, इसे पिछली शिवराज सरकार द्वारा मई 2023 में शुरू किया गया था, पहले 1000 रुपए दिए जाते है लेकिन अब 1250 रु महीना के हिसाब से महिलाओं को सालाना 15,000 रुपये मिलते हैं। आमतौर पर हर महीने की 10 तारीख को योजना की किस्त जारी की जाती है, हालांकि कभी कभी त्यौहारों और स्पेशल मौकों को देखते हुए समय से पहले भी किस्त जारी कर दी जाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 12 जनवरी को शाजापुर जिले की तहसील कालापीपल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1553 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। साथ ही 55 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों के खातों में 335 करोड़ रुपये और 26 लाख बहनों को सिलेण्डर रीफिलिंग के लिये दी जाने वाली राशि अंतरित की। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किये गये।

गोविंदपुरा क्षेत्र के वार्ड 52 में एक करोड़ 20 लाख रुपए के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

जनता की अपेक्षा की कसौटी पर खड़ा उतरना ही हमारा लक्ष्य - राज्य मंत्री श्रीमती गौर

भोपाल (आरएनएस) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि जनता की अपेक्षा की कसौटी पर खड़ा उतरना ही उनका लक्ष्य है। उन्होंने यह बात शुक्रवार को मिसरोद के वार्ड 52 में एक करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन के अवसर पर कहीं। उन्होंने कहा कि मिसरोद मंडल की शीतल हाइट्स में पहले भी सड़क निर्माण के कार्य हो चुके हैं। अब जनता की मांग पर 19 लाख की लागत से डामरीकरण का कार्य कराया जा रहा है। कॉलोनी वासियों की जो भी अपेक्षा होगी, उसे हम पूरा करने का प्रयास करेंगे। इस क्षेत्र की सीवेज लाइन को भी अमृत योजना फेस टू से जोड़ा जाएगा। वार्ड 52 में मिसरोद ग्राम के पीछे शीतल हाइट्स में 19 लाख रुपए की लागत से सड़क के डामरीकरण के कार्य का भूमि-पूजन किया। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने रघुनाथ नगर में 12 लाख रुपए की लागत से डामरीकरण के कार्य का भूमि-पूजन और रोहित नगर फेस टू में 60 लाख की लागत से बनने वाली फोरलेन सीसी सड़क के निर्माण का भूमि-पूजन भी किया। रोहित नगर फेस-2 में 8 लाख और 21 लाख रुपए की लागत से बनने वाली दो सीसी सड़क के निर्माण कार्यों का भी भूमि-पूजन किया। इस दौरान वार्ड की पार्षद श्रीमती शीला पाटीदार, मंडल अध्यक्ष श्रीमती मोनिका ठाकुर, जितेन्द्र शुक्ला, प्रताप वारे, श्रीमती अर्चना परमार, रामबाबू पाटीदार, जन-प्रतिनिधि एवं रहवासी मौजूद रहे।

बजट सत्र की तारीखों का ऐलान, जानिए किस दिन शुरू होगा सत्र

भोपाल (आरएनएस)। बजट सत्र को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. 10 मार्च से बजट सत्र शुरू होने वाला है. 15 दिन के लिए बजट सत्र बुलाया गया. राज्यपाल के अभिभाषण साथ बजट सत्र की शुरूआत होगी.

जारी अधिसूचना के मुताबिक, बजट सत्र 10 से 24 मार्च तक चलेगा. जिसमें कुल 9 बैठक होंगी. बताया जा रहा है कि 12 मार्च को आर्थिक सर्वेक्षण और 13 मार्च को बजट प्रस्तुत हो सकता है.

मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का पंचम सत्र सोमवार 10 मार्च से आरंभ होकर सोमवार 24 मार्च 2025 तक चलेगा. विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह के अनुसार, इस 15 दिवसीय सत्र में सदन की कुल 9 बैठकें होंगी, जिसमें महत्वपूर्ण शासकीय कार्य संपादित किए जाएंगे.

इसके लिए विधानसभा सचिवालय में अशासकीय विधेयकों की सूचनाएं 19 फरवरी, अशासकीय संकल्पों की सूचनाएं 6 मार्च तक प्राप्त की जाएंगी. जबकि स्थगन प्रस्ताव, ध्यानाकर्षण, नियम 267- क के अधीन सूचनाएं विधानसभा में 4 मार्च से कार्यालय में पूर्वान्ह 11 बजे से अपराह्न 4 तक प्राप्त की जाएंगी. उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का यह पंचम सत्र होगा.

टोटल रिकॉल/सौरभ के मामले को दबा रहीं हैं जांच एजेंसियां: जीतू पटवारी

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया है कि परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के मामले को जांच एजेंसियां दबाने में जुटी हैं। सभी के बयान एक ही दिशा में आ रहे हैं। छापे में जब्त डायरियां कहां हैं और उनमें जिनके नाम हैं, उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही हैं। इससे लोकायुक्त सहित अन्य एजेंसियों की जांच की विश्वसनीयता पर सवाल हैं। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसियों को जांच की एक ही दिशा रखना चाहिए। पूर्व मंत्रियों की संलिप्तता को भी देखा जाना चाहिए। जब्त दस्तावेजों और डायरियों की भी जांच हो, तभी कथित हजारों करोड़ के परिवहन घोटाले के अजगर पकड़े जाएंगे। जांच एजेंसियों को चैकपोस्ट बंद होने के बाद भी अवैध वसूली की जो शिकायतें सामने आई हैं, न केवल उनकी जांच करनी चाहिए बल्कि टोल नाकों से अवैध वसूली पर भी नजर रखनी चाहिए।

-अब असली अपराधियों को दंड दिलाने की परीक्षा जांच एजेंसियों के सामने: उमा

पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेत्री उमा भारती ने बुधवार को इंटरनेट मीडिया एक्स पर पोस्ट भेजकर असली अपराधियों को दंड दिलाने की बात कही है। उन्होंने लिखा चेक पोस्ट घोटाले के आरोपी पकड़े गए हैं। अगर जांच में कहीं यह साबित होता है कि इन्होंने अकेले ही यह घोटाले किए हैं तो फिर गहराई में जाने पर यह घोटाला एक गंभीर मसला हो सकता है। जों जांच एजेंसियां जांच में लगी हैं, उनकी दक्षता एवं निष्पक्षता पर लोगों को विश्वास है। इन एजेंसियों के लिए यह परीक्षा की घड़ी है कि वह यह बात यहीं खत्म कर देते हैं या गहराई में जाकर के असली महाअपराधियों को पकड़ कर, प्रमाण जुटा कर उन्हें कठोरतम दंड दिला लेते हैं।

-नहीं आए बयान देने विधायक पाठक के परिजनों की कंपनी के संचालक

हाउसिंग कारपरिशन इन्वेस्टमेंट समूह की जमीन और औने-पौने दाम में बेचने के मामले में विक्रेता और क्रेता कंपनियों के संचालक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ में बयान देने के लिए नहीं पहुंच रहे हैं। ईओडब्ल्यू ने बुधवार को संजय पाठक के परिजनों की हिस्सेदारी वाली कंपनी नायसा देवबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड के दो संचालकों को बयान देने के लिए बुलाया था, पर उन्होंने अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से आवेदन देकर अतिरिक्त समय मांगा है। कटनी व जबलपुर में 200 एकड़ जमीन खरीदी के मामले में उनसे पूछताछ की जानी थी। इसके पहले सोमवार को विक्रेता कंपनियों के तीन अधिकारियों को बयान देने के लिए बुलाया था, पर वही भी नहीं आए। मंगलवार को सिर्फ तीन लोगों के बयान हुए हैं। उल्लेखनीय है कि इस मामले में मिली एक शिकायत के आधार पर ईओडब्ल्यू ने पिछले माह प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज की थी। स्वास्थ्य विभाग ने बैरसिया अस्पताल के जिस डा. प्रांजल खरे के नियुक्ति आदेश को निरस्त किया है, उससे निरंतर सेवा लेना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. प्रभाकर तिवारी को महंगा पड़ गया है। इसे आदेशों की अवहेलना मानते हुए विभाग ने नोटिस जारी किया है। जिसमें बड़ी नाराजगी जाहिर की गई है। विभाग के वरिष्ठ संयुक्त संचालक डा. राजू निदारिया ने यह नोटिस जारी किया है। इसमें उल्लेख किया गया कि बैरसिया सिविल अस्पताल में पदस्थ रहे डा. प्रांजल खरे की नियुक्ति निरस्त की गई है। विभाग द्वारा डा. प्रांजल खरे का निरस्ती आदेश जारी किए जाने के उपरांत भी आपके द्वारा नियम विरूद्ध संबंधित से निरंतर कार्य करवाया जा रहा है। इनका नियमित रूप से वेतन भी आहरण हो रहा है। आपके द्वारा त्रुटिपूर्ण जानकारी दिए जाने के कारण डा. प्रांजल खरे चिकित्सा अधिकारी का नाम नियुक्ति आदेश सूची में अंकित हुआ है।

प्रदेश के सभी स्तर के सहकारिता कार्यालय एवं सहकारी संस्थाओं में होगा स्वच्छता कार्यक्रम

स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता अभियान 13 फरवरी को

भोपाल-(आरएनएस)सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अवसर पर सहकारिता के महत्व के प्रति लोगों को जागरूकता लाने के लिये विभाग के तहत सभी स्तर के विभागीय कार्यालय, सहकारी संस्थाओं में 13 फरवरी को स्वभव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता दिवस कार्यक्रम मनाया जायेगा। इस संबंध में आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाऐं ने परिपत्र जारी किया है। सभी शीर्ष संस्थाओं के प्रबंध संचालक, संभाग/जिला के संयुक्त/उप/सहायक आयुक्त सहकारिता और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के नाम जारी परिपत्र में कहा गया है कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभाग एवं संस्थाओं में कार्यालयीन नस्तियों को व्यवस्थित करना, पुराने रिकार्ड के बस्तों में संदर्भ अंकित होना, कार्यालय में इंडेक्स रजिस्टर का संधारण जिसकी मदद से पूर्ण परिसमापन, वैधानिक कार्यवाही, स्थापना आदि के विगत 10 वर्षों के विवरण तत्काल ज्ञात किये जा सकें, जैसे काम हों। साथ ही शौचालयों की सफाई एवं कार्यालयीन कक्षों में रोशनी एवं साज-सज्जा की जायें।विभाग एवं संस्थाओं के अधिकारी-कर्मचारी जिला कार्यालय में एकत्रित हों। उसके बाद अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर विशेष साफ-सफाई आयोजन के बैनर के साथ एक रैली निर्धारित स्थल जिला सहकारी बैंक, अन्य सार्वजनिक स्थल अथवा किसी संस्था कार्यालय तक सहकारिता एवं स्वच्छता विषयक नारे लगाते हुये निकाली जायें। इस आयोजन के बाद कार्यालय/संस्थावार फोटोग्राफ्स की प्रति वाहटएप पर तथा हार्ट कॉपी मुख्यालय को अनिवार्य रूप से भेजने के निर्देश दिये हैं।

भोपाल (आरएनएस)। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री अनिल कुमार ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के लेखा शाखा में पदस्थ तीन पुलिस कर्मी सूबेदार (अ) नीरज कुमार, उनि (अ) हरिहर सोनी तथा सउनि (अ) हर्ष वानखेड़े को मेडिकल देयको के आहरण में गड़बड़ी की आशंका होने पर 08 जनवरी 2025 को निलंबित किया गया था।

महाकुम्भ नगर। बसंत स्नान के बाद गुरुवार से फिर संस्कृति का महाकुम्भ होगा, जिसमें देश की विविध संस्कृतियों का संगम होगा। गंगा पंडाल पर चल रहे मुख्य आयोजन को लेकर संस्कृति विभाग ने एक बार फिर तैयारी पूरी कर ली है। अगले चार दिन तक देश के नामचीन कलाकारों की प्रस्तुतियों से महाकुम्भ की सांझ सजेगी। 7 को डोना गांगुली, 8 को कविता कृष्णमूर्ति, 9 को सुरेश वाडेकर, सोनल मान सिंह व 10 को हरिहरन प्रस्तुति देंगे। 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा स्नान है, इसलिए 11 से 13 फरवरी तक सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित रहेंगे।

सीबीएसई का फैसला निःसंदेह महत्वपूर्ण पहल

अगले महीने से होने जा रही 10वीं और 12वीं बोर्ड की परीक्षाओं को पारदर्शी तरीके से कराने को लेकर केंद्रीय माध्यमिक परीक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का फैसला निस्संदेह महत्त्वपूर्ण पहल है। बोर्ड ने फैसला किया है कि अगर किसी परीक्षार्थी ने प्रश्नपत्र को सोशल मीडिया पर डाला तो उसकी चार वर्ष की परीक्षा रद्द कर दी जाएगी। यानी उस परीक्षार्थी का मौजूदा पेपर तो रद्द होगा ही, साथ ही उसे अगले तीन वर्ष की परीक्षाओं में बैठने पर भी प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। दरअसल, बोर्ड की ऐसी सख्ती वक्त की मांग है। कई बार से ऐसा देखा गया है कि परीक्षार्थी उत्साह में आकर या बेवकूफी में प्रश्नपत्र को सोशल मीडिया पर वायरल कर देता है। इससे बाहर यह संदेश जाता है कि परीक्षा निष्पक्ष नहीं हुई और यह संदेश फैलते क्षण भर की भी देरी नहीं होती कि प्रश्नपत्र लीक हो गया। जाने-अनजाने इससे भ्रम फैलता है और सरकार के साथ-साथ बोर्ड भी दबाव में आ जाती है। साथ ही ईमानदारी से परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का मनोबल गिरता है। सीबीएसई ने इन मामलों की जांच के लिए एक कमिटी बनाई है, जिसकी सिफारिश के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। अनफेयर मीस के नियमों में ऐसे कई नियमों को शामिल किया गया है। यह देखने में आया है कि शैक्षणिक परीक्षाओं से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं तक में बड़े पैमाने पर अनियमितता और फर्जीवाड़ा किया जाता रहा। इन सबका प्रभाव देश की परीक्षा प्रणाली पर काफी बुरा पड़ता है। वैसे भी परीक्षा केंद्र में सीसीटीवी लगाने, परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन या कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के इस्तेमाल न करने का निर्देश देना उन छात्रों के लिए भी तो बुरी बात है।

दिल्ली में भाजपा की जीत और आप की हार के सियासी मायने को ऐसे समझिए

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में विगत 12 वर्षों से सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी यानी %आप% की हार और प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा की अप्रत्याशित जीत के सियासी मायने दिलचस्प हैं। इसके राजनीतिक असर भी दूरगामी होंगे। क्योंकि एक तरफ जहां भाजपा की जीत से केंद्र में सत्तारूढ़ %एनडीए% की एकजुटता मजबूत होगी, वहीं देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में बिखराव को बढ़ावा मिलेगा।

ऐसा इसलिए कि इंडिया गठबंधन की अगुवा पार्टी कांग्रेस ने दिल्ली में अपने पूर्व गठबंधन सहयोगी %आप%, जो दिल्ली में लंबे समय से सत्तारूढ़ थी, को हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे कांग्रेस ने आप से जहां अपना पुराना सियासी हिसाब-किताब बराबर कर लिया है, वहीं अपनी खोई राजनीतिक जमीन हासिल करने का शिलान्यास भी कर चुकी है। वहीं, अब उसमें इस बात की भी नई उम्मीद जगी है कि 2030 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में जब भाजपा से उसका सीधा मुकाबला होगा तो उसकी स्थिति और मजबूत होगी और उसका खोया जनाधार पुन: वापस लौट जाएगा।

बता दें कि 2010 के दशक के शुरुआती सालों में पूर्व नौकरशाह अरविंद केजरीवाल समेत %आप% के कतिपय प्रमुख नेताओं के द्वारा लोकप्रिय समाजसेवी अन्ना हजारे को आगे करके %इंडिया अगेंस्ट करप्शन% नामक एनजीओ के तत्वावधान में कांग्रेस की तत्कालीन डबल इंजन सरकार यानी मनमोहन सिंह सरकार और शीला दीक्षित सरकार के खिलाफ जो भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम चलाई गई, उससे 2013 में दिल्ली में 15 वर्षों से सत्तारूढ़ शीला दीक्षित सरकार और 2014 में केंद्र में 10 वर्षों से सत्तारूढ़ मनमोहन सिंह सरकार का सफाया हो गया था।

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि चूंकि इस भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा का भी गुप्त समर्थन हासिल था, इसलिए यह आंदोलन काफी सफल रहा। हालांकि एनजीओ के बैनर तले शुरू हुए इस आंदोलन की देशव्यापी लोकप्रियता से उत्साहित समाजसेवियों ने जब आम आदमी पार्टी यानी %आप% का गठन करके दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी भागीदारी जताई तो आरएसएस और भाजपा ने इससे दूरी बना ली। लेकिन तब तक अन्ना हजारे की आड़ में अरविंद केजरीवाल ने अपनी सामाजिक आभा इतनी चमका ली थी कि उनकी नवगठित पार्टी %आप% ने कांग्रेस की पूरी और बीजेपी की कुछ कुछ राजनीतिक जमीन हड़प ली। यदि गौर किया जाए तो 2013 में जब आप ने धर्मनिरपेक्षता की आड़ में उसी कांग्रेस के सहयोग से भाजपा विरोधी गठबंधन सरकार का गठन किया,

जिसका विरोध करके वह चुनाव जीती थी और त्रिशंकु विधानसभा की नौबत आई थी। कांग्रेस की इस एक मात्र भूल ने 2015 के मध्यावधि चुनाव में जहां उसका सफाया कर दिया, वहीं आप की ओर मुस्लिम मतदाताओं के बढ़े रुझान से उसे रिकॉर्ड जीत मिली। क्योंकि भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति देने के नाम पर दलितों, पिछड़ों और सवर्णों के अलावा पूर्वांचलियों और पहाड़ियों के साथ-साथ दिल्ली के पंजाबियों-बनियों ने भी आप का साथ दिया। इससे भाजपा भी भौंचक्की रह गई, क्योंकि 2014 में ही उसने पीएम मोदी के नेतृत्व में देश फतह किया था। हालांकि, उसके बाद से ही तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह को संतुलित करने की जो भाजपा के गुजराती-मराठी लॉबी की अंदरूनी राजनीति शुरू हुई, उससे पूर्वांचलियों में भाजपा की साख गिरी और आप को मजबूती मिली। वहीं, 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी आप की लोकप्रियता थोड़ी कम हुई, लेकिन भाजपा और कांग्रेस के मुकाबले काफी ज्यादा रही। इसके बाद जब आप ने पंजाब में कांग्रेस को, दिल्ली नगर निगम चुनाव में भाजपा को जबरदस्त शिकस्त दी तो कांग्रेस किंकर्तव्यविमूढ़, लेकिन भाजपा चौकन्नी हो गई। क्योंकि अरविंद केजरीवाल ने यूपी, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा समेत अन्य राज्यों में भी अपने पांव पसारने शुरू कर दिए। उन्होंने 2023 में आप को राष्ट्रीय पार्टी का तमगा भी दिलवा दिया। कांग्रेस, भाजपा और जनता पार्टी/जनता दल जैसी राष्ट्रीय पार्टियों के बाद आप एक ऐसी पहली क्षेत्रीय पार्टी बनी जिसने एक के बाद दूसरे राज्य यानी दिल्ली के बाद पंजाब में भी अपनी पूर्ण बहुमत वाली सरकार बना ली। इससे दूरदर्शी भाजपा नेतृत्व सजग हो गया और उसने दिल्ली के उपराज्यपाल के माध्यम से आप सरकार को घेरने की रणनीति बनाई, क्योंकि अरविंद केजरीवाल हर बात में उपराज्यपाल और प्रधानमंत्री को ही निशाना बनाते रहते थे। इस बीच लोकसभा चुनाव 2024 के पहले कांग्रेस के नेतृत्व में बने देशव्यापी इंडिया गठबंधन से जब आप की आंखमिचौली शुरू हुई, तो दिल्ली में कांग्रेस-आप में 4ञ3 का समझौता हो गया, जबकि पंजाब में दोनों में दोस्ताना मुकाबला हुआ। इसमें कांग्रेस ने आप को धो दिया और पंजाब में आप से दोगुनी सीट जीत ली। तभी यह तय हो गया कि आप को यदि अपनी राजनीतिक जमीन बचानी है तो कांग्रेस से दूर जाना होगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में यह हुआ तो जरूर, लेकिन यहां भी आप का दांव उलटा पड़ गया।

ऐसी शराबबंदी का क्या अर्थ

ओमप्रकाश मेहता

भारतीय राजनीति में संभवतः पहली बार मध्यप्रदेश में सत्तारूढ़ दल ने अपने उद्धेश्य की पूर्ति हेतु मानव मनोविज्ञान का सहारा लिया है, मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, जिसके चुनावी घोषणा-पत्र में प्रदेश में पूर्णतः शराबबंदी का उल्लेख था, अब वर्तमान मुख्यमंत्री ने प्रदेश के डेढ़ दर्जन धार्मिक नगरों में एक अप्रैल से पूर्ण शराबबंदी की घोषणा की है, यद्यपि इस कदम से सरकार को आर्थिक क्षति पहुंचेगी, किंतु सत्तारूढ़ दल को इससे राजनीतिक लाभ अवश्य पहुंचेगा।

सरकार के इस फैसले को प्रदेश में पूर्ण नशाबंदी की दिशा में ठोंस कदम माना जा रहा है।

एक अप्रैल से जिन नगरों में शराबबंदी होगी वे धार्मिक शहर उज्जैन, मण्डला, मुलताई, मंदसौर, मैहर, दतिया, अमरकंटक, औंकारेश्वर, महेश्वर, मण्डलेश्वर, औरछा, चित्रकुट, सलकनपुर, कुण्डलपुर, बरमानकला, लिंगा बरमान खुर्द और बांदकपुर है, इन नगरों में शराबबंदी से राज्य सरकार को करीब पांच सौ करोड़ की राजस्व आय कम हो जाएगी। अब तक नर्मदा तट के बीस जिलों में पांच किलोमीटर' क्षेत्र में शराबबंदी लागू थी और उज्जैन सहित अन्य धार्मिक नगरों में मुख्य धार्मिक स्थानों से 100-200 मीटर दायरें में पाबंदी थी।

सरकार के इस कदम को प्रदेश में पूर्ण नशाबंदी की राह का पहला कदम बताया जा रहा है।

स्वयं मुख्यमंत्री ने इसे नीतिगत फैसला बताया, प्रदेश के इन उन्नीस नगरों में एक भी शराब की दुकान नही रहेगी, सभी मौजूदा दूकानें हमेशा के लिए बंद हो जाएगी

भाजपा का दावा है कि कांग्रेस की सरकारें ऐसा कदम उठाने की हिम्मत नही कर पाई, क्योंकि इसमें सरकार के आर्थिक स्त्रोत में कमी आने वाली है,

यदि पूरे राज्य में पूर्णतः शराबबंदी की जाती है तो सरकार को करीब तीन हजार करोड़ की आर्थिक हानि उठानी पड़ेगी,

अवैध प्रवासियों की बेहूदा तरीके से वापसी जुड़े सवाल

डंकी रूट यानी गैरकानूनी तरीके से अमेरिका गये करीब 200 भारतीयों को राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जिस असुविधा एवं अपमानजनक तरीके से अपने सैनिक विमान से बलपूर्वक भारत भेजा है, उससे अनेक प्रश्न खड़े हुए हैं। बेहतर भविष्य की तलाश में आए अवैध प्रवासियों को बेहूदा तरीके से खदेड़ा जाना विडम्बनापूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मानव अधिकारों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने जिस तरीके से विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई की है, उस पर अनेक देशों ने आपत्ति जताई है। भले ही भारत ने इसे मुद्दा बनाने से परहेज करते हुए राजनीतिक कूटनीति की दृष्टि से ठीक किया हो, लेकिन भारत लौटे अप्रवासियों की चिन्ता एवं दर्द को समझना भारत-सरकार की प्राथमिकता बननी चाहिए। सुनहरे सपनों की आस में जीवनभर की पूंजी दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये लुटाकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता एवं विदेश नीति की नाकामी तो है ही, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ ऐसा व्यवहार अमेरिका के अहंकारी एवं संकीर्णतावादी सोच को भी दर्शा रहा है।

अवैध प्रवासियों की उचित तरीकों से पहचान कर उन्हें उनके देशों को वापस भेजा जाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। भारत का इस मामले में शुरू से सहयोगात्मक रुख रहा है। लेकिन एक जायज सवाल वापसी के तौर-तरीके को लेकर उठना असंगत नहीं कहा जा सकता है।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई अवैध प्रवासी भारतीयों की निर्वासन उड़ान विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने के प्रयास को गलत नहीं कहा जा सकता। गलत तरीकों से अमेरिका में आये लोगों को उनके देश का रास्ता दिखाना भी गलत नहीं कहा जासकता, लेकिन जिस तौर-तरीके से यह कार्रवाई की गयी है, उस पर प्रश्न टंकने स्वाभाविक है। हालांकि यह कोई पहला मौका नहीं है जब अवैध प्रवासी भारतीय वापस भेजे गए हों। लेकिन इस बार कई ऐसी बातें हैं, जो इसे अतीत की ऐसी घटनाओं से अलग एवं चर्चा का विषय बनाती हैं। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास करते हुए ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी-ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही हटी, अहंकारी एवं तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने से दोनों देशों के संबंधों के आहत होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

महाकुम्भ में उमड़ा आस्था का महासागर, स्नानार्थियों की संख्या 40 करोड़ के पार

महाकुम्भ नगर। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब एक नए शिखर पर पहुंच गया है। इसी क्रम में शुक्रवार सुबह तक महाकुम्भ में स्नानार्थियों की संख्या ने 40 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। शुक्रवार को सुबह 10 बजे तक 42.07 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। इसके साथ ही महाकुम्भ में स्नानार्थियों की कुल संख्या 40 करोड़ पार हो गई। अभी महाकुम्भ को 19 दिन शेष है और पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की संख्या 50 करोड़ के पार जा सकती है। प्रयागराज में तीनों अमृत स्नान (मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी) के बाद भी श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। पूरे देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से पवित्र त्रिवेणी में श्रद्धा और आस्था के साथ डुबकी लगाकर पुण्य प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु प्रतिदिन लाखों की संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं। बसंत पंचमी के अंतिम अमृत स्नान पर्व के बाद भी करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान को पहुंच रहे हैं।

कैलाश इंदौर के फ़िर बने सिरमौर

नितिनमोहन शर्मा

इंदौर के मामले में एक बार फ़िर ख़ालिस इन्दौरी कैलाश विजयवर्गीय सिरमौर बनकर उभरे। भाजपा नगर व जिला अध्यक्ष का पद आख़िरकार उन्हीं की झोली में आया। वे तब तक डटे व अड़े रहें, जब तक उनके मनोनुकूल निर्णय नही हुआ। न सत्ता उन्हें नजरअंदाज कर सकी और न संगठन। वो घेराबंदी भी काम नही आई, जो विजयवर्गीय को घेरने के लिये बनाई गई थी। मंत्री सहित जिले के 4 विधायक उनके ख़िलाफ़ लामबंद हुए थे। इस लामबंदी को ग्वालियर से लेकर भोपाल तक से बल भी मिल रहा था। कैलाश कैम्प ने अपने ख़िलाफ़ इंदौर से ग्वालियर व भोपाल से दिल्ली तक बनी व्यूहरचना से न सिर्फ़ पार पाया बल्कि उसे ध्वस्त भी कर दिया।

एक बार फ़िर विजयवर्गीय का सरकार व संगठन में दबदबा नज़र आया। आख़री तक इंदौर का फैसला नही हो पाया। न कोई हिम्मत दिखा पाया कि विजयवर्गीय को परे रख घोषणा की जाए। पूरे प्रदेश के जिलाध्यक्ष घोषित होने तक भी इंदौर की घोषणा का रुका रहना ही साबित कर गया कि फ़िलहाल तो इंदौर के मामले में विजयवर्गीय को नजरअंदाज नही किया जा सकता। जिले व नगर के फैसले में उन्हें एक बार फिर मालवा अंचल का क्षत्रप साबित किया। नगर व ज़िले के कप्तान के मामले में भाजपा में इस बार जो हुआ, वैसा कभी नही हुआ। सब कुछ कांच की तरह साफ होने के बाद भी इंदौर की राह रोक ली गई। रायशुमारी को एक तरफ सरका दिया गया और नए नए समीकरण गढ़े गए ताकि अध्यक्ष कैलाश कैम्प से हटकर हो। इस काम में कांग्रेस की गुट बनाने वाली बीमारी भी पाल ली गई। जिले के 4 विधायक व एक मंत्री महोदय एकजुट भी हुए। इस कथित गुट को प्रदेश से जुड़े एक केंद्रीय मंत्री की मदद भी मुहैया हुई।

घर बैठी वयोवृद्ध नेता को भी उकसाकर खड़ा किया गया। उन्होंने भी वीटो लगाया लेकिन वे सतर्क भी बनी रहीं। सीएम के सपोर्ट का शोर भी मचाया गया। लेकिन उन्ही सीएम साहब ने इंदौर के मामले में आखिर में तटस्थता अख्तियार कर ली और गुटबाजी का दम निकल गया। परिणाम सामने हैं। नगर में रायशुमारी को ही अहमियत मिली और ज़िले में किसी के हित स्थापित नही हो पाए। जबकि नगर पर दबाव बनाकर ज़िले में हुकूमत की बिछात मजबूती से बिछाई गई थी।

पूरे मामले में विजयवर्गीय को इंदौर में कमजोर साबित करने के प्रयास बहुतेरे हुए। सत्ता से ज्यादा सँगठन ने इसमे रुचि दिखाई लेकिन कैलाश केम्प ने सबसे पार पा लिया। शहर में तो उनका तीन इक्का तुवर ब्रांड नाम ही सामने आया।

बड़े हनुमान मंदिर और बाघंबरी मठ से श्रद्धालुओं को दिया गया महाप्रसाद

महाकुम्भनगर। पवित्र त्रिवेणी के किनारे संगम की रेती पर महाकुम्भ को यादगार बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की गई है। रूस, जर्मनी, फ्रांस, इजरायल और इटली तक महाकुम्भ की 10 हजार से अधिक अमिट निशानियां भेजी गई हैं। जिनमें प्रयागराज के प्रसिद्ध अमरूद के साथ बेल और केले के पौधे भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हरित और सांस्कृतिक महाकुम्भ के विजन को अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष समेत समस्त महामंडलेश्वरों ने सराहा है। महाकुम्भनगर में देश विदेश से आए बड़े हनुमान मंदिर और बाघंबरी मठ की ओर से श्रद्धालुओं को महाप्रसाद के रूप में फलदार पौधों के साथ नीम और तुलसी के पौधे भी वितरित किए गए। बड़े हनुमान मंदिर, संगम तट, प्रयागराज के महंत एवं श्रीमठ बाघम्बरी पीठाधीश्वर पूज्य बलवीर गिरि जी महराज के संयोजन में श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी में अचला सप्तमी महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें महाप्रसाद के रूप में साधु-संतों और श्रद्धालुओं को पौधों के साथ एक थैला और एक थाली भी प्रदान की गई। श्रीमहंत बलवीर गिरि ने कहा कि एक थैला और एक थाली के साथ ही प्रयाग में पौधा पाने वाला बहुत भाग्यशाली है।

पेय पदार्थों में अपशिष्ट पदार्थों की मिलावट

विनीत नारायण

शीतल पेयों के जरिए हम ऐसे कीटनाशकों को निगल रहे हैं, जिनके लंबे समय तक सेवन करने से कैंसर, स्नायु और प्रजनन तंत्र को क्षति, जन्मजात शिशुओं में विकृति और इम्यून सिस्टम तक में खराबी आ सकती है। पेय पदार्थों में अपशिष्ट पदार्थों की मिलावट सिर्फ विदेशी कंपनियों के इन शीतल पेयों तक ही सीमित नहीं है। कुछ वर्ष पूर्व बोतल बंद मिनरल वाटर के दूषित होने को लेकर भी काफी बवाल मचा था।

शर्बत और लस्सी के देश भारत के अधिकांश लोग पश्चिमी बयार में बहकर खुद को मॉडर्न' साबित करने के लिए दूषित' शीतल पेयों का जमकर उपयोग कर रहे हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इन शीतल पेयों के जरिए हम ऐसे कीटनाशकों को निगल रहे हैं, जिनके लंबे समय तक सेवन करने से कैंसर, स्नायु और प्रजनन तंत्र को क्षति, जन्मजात शिशुओं में विकृति और इम्यून सिस्टम तक में खराबी आ सकती है। कुछ समय पहले राष्ट्रीय कंपनियाँ जिन शीतल पेयों को आम भारतीयों के गले के नीचे उतार रही हैं, वह सेहत के लिए ठिक है या नहीं यह तो विस्तृत जांच पड़ताल के बाद ही पता चलेगा।

गैर-सरकारी संगठन सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरन्मेंट (सीएसई) के अनुसार यह विदेशी कंपनियां भारत के साथ भेदभाव बरत रही हैं।

अमेरिका और अन्य दूसरों देशों में इनके उत्पादों की गुणवत्ता का बारीकी से ध्यान रखा जाता है, जबकि भारत में यह पैसे बचाने के लिए कीटनाशकों का घोल जनता को पिलाते हैं।

पर, पेय पदार्थों में अपशिष्ट पदार्थों की मिलावट सिर्फ विदेशी कंपनियों के इन शीतल पेयों तक ही सीमित नहीं है। कुछ वर्ष पूर्व बोतल बंद मिनरल वाटर के दूषित होने को लेकर भी काफी बवाल मचा था।

उस समय सीएसई ने देसी-विदेशी विख्यात कंपनियों के बोतल बंद पानी के दिल्ली में 17 और मुंबई में क्लोरोपाइरोफोस, मेलाथियान जैसे कीटनाशक पाए जाने की पुष्टि की थी।

इसके बाद सरकार को होश आया और उसने भारतीय मानक ब्यूरो की सिफारिश के आधार पर बोतल बंद पानी की शुद्धता बरकरार रखने के लिए खाद्य अपमिश्रण कानून में कुछ फेरबदल कर इन्हें लागू करवा दिया।

हालांकि भारत के अधिकांश लोग नगर पालिका या नगर निगम द्वारा आपूर्ति किया जाने वाला जल अथवा नदियों के पानी को ही पीते हैं।

नगर पालिकाएं या नगर निगम इस पानी को स्वच्छ करने के लिए क्या कदम उठाती है, यह किसी से छिपा नही है। बाहरी जल की तो छोड़िए, पृथ्वी पर बढ़ते प्रदूषण के कारण भूगर्भीय जल भी अब स्वच्छ नहीं रहा है।

कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोगों से अनाज, सब्जी और फल तक दूषित हो गए हैं। यदि इनकी बिना सफाई किए हुए यूं ही खा लिया जाए, तो यह सेहत बनाने के बजाए उसका बेड़ागर्क कर देंगे।

ज्यादा पैदावार के चक्कर में किसान रासायनिक खादों का बेतरतीबी से इस्तेमाल कर रहे है। इसके दुष्परिणाम भी उनके सामने आने लगे हैं। भूमि बंजर हो रही है। उपज की गुणवत्ता में कमी आई है। जमीन से उपयोगी तत्व नष्ट हो रहे हैं, आदि-आदि।

कभी जहां इस देश में दूध-दही की नदियां बहा करती थीं, अब वहां हर चीज में मिलावट का आलम है। यहां तक कि दूध भी इससे अछूता नहीं रह गया है।

थोड़े से लाभ के लिए लोग सेहत के लिए बेहद नुकसानदेह पदार्थों से नकली दूध तैयार कर लोगों को पिला रहे हैं।

यूरिया, साबुन, और तेल जैसी खतरनाक चीजों को मिलाकर बनने वाले इस दूध में दूध नाम की कोई चीज ही नहीं होती। लोग अज्ञानतावश मानव सभ्यता के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। इन्हें नहीं पता कि इस दूध को पीकर हमारे नौनिहाल, जो देश का भविष्य हैं, कितनी बीमारियों के चंगुल में फंस जाएंगे।

डॉ वर्गीज कुरियन ने भी भारत में ऑपरेशन फ्लड' शुरू करते समय यह नहीं सोचा होगा कि आम लोगों को दूध मुहैया कराने के लिए वह जिन डेयरियों को खुलवाने की बात कह रहे हैं, उनमें बरती जाने वाली लापरवाही गाय और भैंसों के लिए तो जानलेवा साबित होंगी ही, साथ ही वहां से मिलने वाला दूध भी आम आदमी के लिए मुफीद नहीं रहेगा।

भारत में डेयरियों की हालत ज्यादा अच्छी नहीं है। ज्यादा दूध लेने के चक्कर में गायों को हर साल गर्भवती करवा दिया जाता है, क्योंकि बच्चा होने के बाद दस माह तक वह ज्यादा दूध देती हैं।

हर रोज उन्हें ऑक्सीटोसिन के इंजेक्शन लगाए जाते हैं ताकि वे ज्यादा दूध दे सकें। परंतु यह इंजेक्शन उनके लिए कितने हानिकारक हैं, यह दूध दुहने वाले और डेयरी मालिक शायद नहीं जानते।

अगर उन्हें पता है तो वह और भी गंभीर अपराध कर रहे हैं, क्योंकि जानबूझकर किसी को मौत के मुंह में धकेलना, भारतीय ही नहीं विदेशी कानून में भी अपराध की श्रेणी में आता है।

यह सभी तरीके इन बेजुबान जानवरों के लिए तो खतरनाक है ही, साथ ही इनका दूध पीने वालों के लिए भी कम नुकसानदेह नहीं हैं। इंडियन काउन्सिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा सात साल के शोध के बाद निकाले नतीजों में पाया कि जिस गाय के दूध को सदियों से हम पूर्ण आहार मानकर पीते चले आ रहे हैं, वह भी क्लोहैक्सेन (एचसीएच), डेल्ड्रिन, एल्ड्रिन जैसे खतरनाक कीटनाशक भारी मात्रा में मौजूद हैं। रिपोर्ट कहती है कि किसी व्यक्ति को डेयरी का दूध और उसके उत्पाद खाने-पीने को दिए जाएं तो उसे दिल का दौरा पडने की संभावना दो से छह गुना तक बढ़ जाती है। भारतीय खाद्य अपमिश्रण कानून एक किलो में केवल 0.01 मिलीग्राम एचसीएच की अनुमति देता है, जबकि आईसीएमआर की रिपोर्ट में यह 5.7 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम निकला।

इसके अलावा वैज्ञानिकों को दूध में आर्सेनिक, कैडमियम और सीसा जैसे खतरनाक अपशिष्ट भी मिले। यह इतने खतरनाक हैं कि इनसे किडनी, दिल और दिमाग तक क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। बात सिर्फ गाय और भैंस के दूध तक ही सीमित नहीं है। खेती के दौरान भारी मात्रा में कीटनाशकों के प्रयोग से बच्चे के लिए अमृत कहा जाने वाला मां का दूध भी शुद्ध नहीं रह गया है।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने विचारों के साथ-साथ दूसरे लोगों के विचारों पर भी गौर देने की जरूरत है। आय के साधन बढ़ने के साथ-साथ खर्चों की भी अधिकता बनी रहेगी।

वृष राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। विचारों में स्थिरता और दृढ़ता रहने से आप अपने कार्यों को अच्छी तरह कर पाएंगे।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को आज किसी कंपनी से नये जॉब के लिए कॉल आ सकती है। साथ ही कम्प्यूटर कोर्स ज्वॉइन करना चाहते है तो आज का दिन शुभ है।

कर्क राशि- आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। अगर आज नये बिजनेस की शुरूआत करने की सोच रहें है तो आज का दिन आपके लिए शुभ है।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं। आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा,

कन्या राशि- आज आपका दिन खास रहेगा। आज रास्ते में जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जिसका फायदा आपको भविष्य में अवश्य मिलेगा।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक रहेगा। किसी काम को करने में आज आपके सामने कठिनाइयां आएंगी, आप अपनी सूझ-बूझ से उनसे निपटने में सफल होंगे। आज समाज में आपको अपनी कार्यशीलता के लिए सम्मानित किया जा सकता है।

वृश्चिक राशि- आज पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपनाएंगे। आपके इस विचार को देखकर परिवार का मन उत्साह से भर जाएगा। साथ ही आज घर पर अपना मनपसंद खाना खा सकते है।

धनु राशि- आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के बिजनेसमैन आज किसी जरूरी काम से विदेश की यात्रा कर सकते है। यात्रा लाभदायक होगी।

मकर राशि- आज आपका दिन राहत से भरा रहेगा। आर्थिक स्थिति में आज सुधार आएगा। समय का उचित सदुपयोग करें। सामाजिक गतिविधियों में आपके विचारों को विशेष प्राथमिकता मिलेगी।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन लेना आपके लिए सहायक रहेगा। किसी विदेशी कम्पनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बिजनेस में आपको फायदा मिलने वाला है। उधार दिया हुआ पैसा आज वापस मिलेगा।

भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में विधानसभा चुनाव में एकतरफा जीत हासिल करती हुई दिखाई दे रही है। भाजपा में इसको लेकर जमकर उत्साह है। इस बीत गृह मंत्री अमित शाह का ट्वीट सामने आया है। शाह ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली के दिल में मोदीज। दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के 'शीशमहल' को नेस्तनाबूत कर दिल्ली को आप-दा मुक्त करने का काम किया है। दिल्ली ने वादाखिलाफी करने वालों को ऐसा सबक सिखाया है, जो देशभर में जनता के साथ झूठे वादे करने वालों के लिए मिसाल बनेगा। यह दिल्ली में विकास और विश्वास के एक नए युग का आरंभ है।

कई लोगों की देखी लाशें, 1 करोड़ खर्च किया, अमेरिका से डिपोर्ट हुए लोगों ने बताई 'डंकी रूट' की दास्तां

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका ने 104 भारतीयों को वतन वापिस भेज दिया है। डिपोर्ट होकर भारत पहुंचे लोगों ने कई खुलासे किए है। जसपाल सिंह ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उन्हें हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां बांधी गईं और अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरने के बाद ही उन्हें हटाया गया।

गुरदासपुर जिले के हरदोरवाल गांव के रहने वाले 36 वर्षीय सिंह ने बताया कि 24 जनवरी को अमेरिकी सीमा पार करने के बाद उन्हें अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने पकड़ लिया था। विभिन्न राज्यों से 104 अवैध प्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान बुधवार को यहां उतरा। अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत डोनाल्ड ट्रंप सरकार द्वारा वापस भेजा गया यह भारतीयों का पहला जत्था है। गृह नगर पहुंचने के बाद जसपाल ने बताया कि एक ट्रैवल एजेंट ने उनके साथ धोखाधड़ी की है, क्योंकि उनसे वादा किया गया था कि उन्हें कानूनी तरीके से अमेरिका भेजा जाएगा। जसपाल ने कहा, मैंने एजेंट से कहा था कि वह मुझे उचित वीजा (अमेरिका के लिए) के साथ भेजे। लेकिन उसने मुझे धोखा दिया। उन्होंने बताया कि सौदा 30 लाख रुपए में हुआ था। जसपाल ने दावा किया कि वह पिछले साल जुलाई में हवाई जहाज से ब्राजील पहुंचा था। उसने कहा कि वादा किया गया था कि अमेरिका की अगली यात्रा भी हवाई जहाज से ही होगी। हालांकि उसके एजेंट ने उसे धोखा दिया, जिसने उसे अवैध रूप से सीमा पार करने के लिए मजबूर किया।

ब्राजील में छह महीने रहने के बाद वह सीमा पार कर अमेरिका चला गया, लेकिन अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जसपाल ने बताया कि उसे वहां 11 दिनों तक हिरासत में रखा गया और फिर वापस घर भेज दिया गया। जसपाल ने कहा कि उसे नहीं पता था कि भारत भेजा जा रहा है। वहीं, होशियारपुर के टाहली गांव के रहने वाले हरविंदर सिंह ने बताया कि वह पिछले साल अगस्त में अमेरिका के लिए रवाना हुए थे। उन्हें कतर, ब्राजील, पेरू, कोलंबिया, पनामा, निकारागुआ और फिर मैक्सिको ले जाया गया। उन्होंने बताया कि मैक्सिको से उन्हें अन्य लोगों के साथ अमेरिका ले जाया गया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हमने पहाड़ियां पार कीं। एक नाव, जो उन्हें अन्य व्यक्तियों के साथ ले जा रही थी, समुद्र में डूबने वाली थी, लेकिन हम बच गए। सिंह ने कहा कि उन्होंने एक व्यक्ति को पनामा के जंगल में मरते हुए तथा एक को समुद्र में डूबते हुए देखा। सिंह ने बताया कि उनके ट्रैवल एजेंट ने वादा किया था कि उन्हें पहले यूरोप और फिर मैक्सिको ले जाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अमेरिका की अपनी यात्रा के लिए उन्होंने 42 लाख रुपए खर्च किए। उन्होंने कहा, कभी-कभी हमें चावल मिल जाता था। कभी-कभी हमें खाने को कुछ नहीं मिलता था। हमें बिस्कुट मिलते थे। एक अन्य व्यक्ति ने अमेरिका जाने के लिए इस्तेमाल किए गए 'डंकी रूट' के बारे में बताया। उन्होंने कहा, रास्ते में हमारे 30,000-35,000 रुपये के कपड़े चोरी हो गए। निर्वासित व्यक्ति ने बताया कि उसे पहले इटली और फिर लैटिन अमेरिका ले जाया गया। उन्होंने बताया कि नाव से 15 घंटे लंबी यात्रा करनी पड़ी और 40-45 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। उन्होंने कहा, हमने 17-18 पहाड़ियां पार कीं। अगर कोई फिसल जाता तो उसके बचने की कोई संभावना नहीं होतीज हमने बहुत कुछ देखा है। अगर कोई घायल हो जाता तो उसे मरने के लिए छोड़ दिया जाता था। हमने कई लाशें देखीं। उन्होंने बताया कि हमें हमेशा डर लगा रहता था कि वह जिंदा बचेगे या नहीं। एक गुजराती परिवार का दावा है कि उसने अमेरिका पहुंचने के लिए 1 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।वहीं इस संबंध में एक अन्य अधिकारी ने कहा, अमृतसर के एक सीमावर्ती गांव के एक युवक के चाचा ने कहा कि परिवार ने अपने भतीजे को विदेश भेजने के लिए डेढ़ एकड़ जमीन बेच दी और 42 लाख रुपये से कुछ अधिक खर्च किए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य विपक्षी नेताओं ने नई दिल्ली में संसद भवन के मकर दिवस पर अमेरिका से कथित अवैध भारतीय प्रवासियों के निर्वासन के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया।

बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय बजट 2025-26 के खिलाफ पटना में प्रदर्शन किया और बिहार को विशेष रा%य का दर्जा देने की मांग की.

नए अंदाज में होगी 'परीक्षा पे चर्चा', पीएम मोदी समेत सिनेमा और खेल जगत के दिग्गज भी देंगे छात्रों को टिप्स

नई दिल्ली (आरएनएस)। 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम नए कलेवर में छात्रों के सामने होगा। सवालों का जवाब सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी ही नहीं देंगे, बल्कि देश के कई दिग्गज भी देंगे। पहले पीएम मोदी छात्रों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन और तनावमुक्त रहने के टिप्स देते थे, लेकिन इस बार फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, अभिनेता विक्रांत मैसी, अभिनेत्री भूमि पेडनेकर और खेल जगत के कई दिग्गज भी जरूरी टिप्स देते नजर आएंगे। दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में 10 फरवरी को होने वाली परीक्षा पर चर्चा के लिए छात्र भी बेहद उत्साहित हैं।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी), परीक्षा से जुड़े तनाव को सीखने के उत्सव में बदलने की पहल है। इसके 8वें संस्करण में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई। वर्ष 2018 में परीक्षा पे चर्चा एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन के रूप में विकसित हुआ है, जिसने वर्ष 2025 में अपने 8वें संस्करण के लिए 3.56 करोड़ पंजीकरण प्राप्त किए हैं। ये 7वें संस्करण में 2.26 करोड़ पंजीकरण हुए थे, जो 1.3 करोड़ पंजीकरणों की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। परीक्षा पे चर्चा न केवल एक लोकप्रिय कार्यक्रम बन गया है, बल्कि यह एक जन आंदोलन में भी बदल गया है। यह पूरे देश में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ गहराई से जुड़ गया है। परीक्षा के तनाव को दूर करने और छात्रों को परीक्षाओं को एक त्योहार ङ्क उत्सव के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित करता है।

परीक्षा पे चर्चा में अधिकतम भागीदारी मानसिक सेहत और समग्र शिक्षा के महत्व के बारे में बढ़ती जागरूकता और स्वीकृति को दर्शाती है। कार्यक्रम का इंटरैक्टिव प्रारूप, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और प्रधान मंत्री के बीच खुला संवाद शामिल है, ने इसकी सफलता में और योगदान दिया है। परीक्षा पे चर्चा को जन आंदोलन के रूप में और मजबूत करने के लिए 12 जनवरी 2025 (राष्ट्रीय युवा दिवस) से 23 जनवरी 2025 (नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती) तक स्कूल स्तर पर कई आकर्षक गतिविधियां आयोजित की गईं। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को परीक्षा पे चर्चा को एक उत्सव के रूप में मनाने में शामिल करना था। कुल 1.42 करोड़ छात्र, 12.81 लाख शिक्षक और 2.94 लाख स्कूलों ने भाग लिया। ये गतिविधियां तनाव को कम करने, ध्यान केंद्रित करने और परीक्षा के दौरान और उसके बाद प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई थीं।

छात्रों को खो-खो और कबड्डी जैसे स्वदेशी खेलों, छोटी दूरी की मैराथन, रचनात्मक मीम प्रतियोगिता, आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रदर्शनों और आकर्षक पोस्टर बनाने सहित विविध प्रकार की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्हें छात्र प्रशंसापत्रों के माध्यम से अपने अनुभव साझा करने, छात्र-नेतृत्व वाली चर्चाओं में भाग लेने और विश्राम और मन की शांति विकसित करने के लिए योग और ध्यान सत्रों में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।

हादसा नहीं साजिश थी महाकुंभ भगदड़! एटीएस के रडार पर 10 हजार संदिग्ध; सुरक्षा एजेंसियां कर रही जांच

प्रयागराज (आरएनएस)। प्रयागराज में महाकुंभ भगदड़ की जांच अब साजिश की ओर मुड़ रही है। यूपी और केंद्र सरकार की एजेंसियां इसे हादसा नहीं, साजिश मानकर जांच कर रही हैं। यूपी में राष्ट्रीय जांच एजेंसी , एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड , स्पेशल टास्क फोर्स और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट के रडार पर 10 हजार से ज्यादा लोग हैं। सबसे ज्यादा ॠ और ह्रञ्ज के प्रदर्शनकारी हैं। महाकुंभ में इनमें से कई का मूवमेंट मिला है।

जांच में ऐसे गैर हिंदू हैं, जिनके सोशल मीडिया अकाउंट पर महाकुंभ को लेकर निगेटिव कमेंट किए गए या फिर उन्होंने गूगल और यूट्यूब पर महाकुंभ को बहुत ज्यादा सर्च किया। इनकी भूमिका की भी जांच ञ्जस् और स्ञ्जस्न कर रही हैं। 18 जेलों में कैद सदस्यों से भी पूछताछ हो रही है। के एक अफसर ने बताया कि महाकुंभ में 45 करोड़ लोगों को आना था। बड़ा आयोजन था, इसलिए महीनों पहले से खुफिया एजेंसियां एक्टिव थीं। इंटेलिजेंस ने क्रिमिनल हिस्ट्री व प्रदेश सरकार के खिलाफ बड़े प्रदर्शन करने वाले लोगों पर इनपुट दिए थे। इसके आधार पर यूपी के 1 लाख से ज्यादा लोगों का वेरिफिकेशन कराया गया। उन्हें समझाया गया और मैसेज दिया गया कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज की तरफ मूवमेंट नहीं करें।

वामपंथी दलों के सांसदों ने नई दिल्ली में अमेरिका से निर्वासित अवैध भारतीय प्रवासियों के साथ किए जा रहे व्यवहार के खिलाफ संसद के प्रवेश द्वार के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

तिरुपति बालाजी मंदिर में अब काम नहीं कर पाएंगे गैर हिंदू, बोर्ड ने 18 कर्मचारियों के खिलाफ लिया एक्शन

नई दिल्ली (आरएनएस)। तिरुपति बालाजी मंदिर के शासी निकाय तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने मंदिर के उत्सवों और अनुष्ठानों में शामिल होने के दौरान कथित तौर पर गैर-हिंदू धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए 18 गैर-हिंदू कर्मचारियों के खिलाफ एक्शन लिया है। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायडू के निर्देशों के बाद, बोर्ड ने मंदिर की आध्यात्मिक पवित्रता को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता का हवाला देते हुए उन्हें हटाने के आदेश जारी किए हैं। बता दें हाल ही में टीटीडी बोर्ड की बैठक में इसको लेकर प्रस्ताव पारित किया गया था। पारित प्रस्ताव के अनुसार, इन कर्मचारियों को या तो सरकारी विभागों में ट्रांसफर होने या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (ङ्क्रस्) चुनने का विकल्प दिया गया है। बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया है कि गैर-हिंदू व्यक्तियों को मंदिर प्रशासन या अनुष्ठानों में शामिल नहीं होना चाहिए। जानकारी के मुताबिक, आंध्र प्रदेश में पिछली जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल के दौरान गैर-हिंदू कर्मचारियों की भर्ती में की गई थी।

यूएस से भारतीयों को निकाले जाने पर बोले जयशंकर, जंजीरों से बांधे जाने को लेकर भी दिया जवाब

नई दिल्ली (आरएनएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि अमेरिका की तरफ अवैध भारतीय प्रवासियों को निर्वासित करने की प्रक्रिया कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह कई वर्षों से चल रही है। विदेश मंत्री ने कहा, यह सभी देशों का दायित्व है कि यदि उनके नागरिक विदेश में अवैध रूप से रह रहे पाए जाते हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाए। उन्होंने कहा, हम अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वापस लौटने वाले निर्वासितों के साथ किसी भी तरह का दुर्व्यवहार न हो।

भारतीयों के जंजीरों से हाथ-पैर बांधने को लेकर मचे विवाद पर बोलते हुए उन्होंने कहा, '2012 से लागू एक नियम के मुताबिक जब लोगों को विमान से वापस भेजा जाता है, तो उन्हें सुरक्षा के लिए बांधकर (रिस्ट्रेन) रखा जाता है, लेकिन ढ्ढष्टश्व ने हमें बताया है कि महिलाएं और बच्चे इस प्रक्रिया से मुक्त होते हैं, यानी उन्हें नहीं बांधा जाता।' हालांकि एस जयशंकर ने आगे कहा, 'हम अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि यह यकीनी बनाया जा सके कि वापस लौटने वाले निर्वासितों के साथ किसी भी तरह का दुर्व्यवहार न हो।' बता दें 104 अवैध भारतीय अप्रवासियों के पहले जत्थे को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान बुधवार को पंजाब के अमृतसर पहुंचा। इनमें सबसे ज्यादा 33-33 लोग हरियाणा और गुजरात से हैं। कुल 30 निर्वासित लोग पंजाब के निवासी थे।

शादी से पहले गौतम अडानी के बेटे ने लिया ये फैसला, बाराती भी हैरान

नई दिल्ली (आरएनएस)। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी कल दिवा जैमिन शाह के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे। दोनों वर-वधू अहमदाबाद में सात फेरे लेंगे। जीत अडानी ने शादी से पहले 500 लोगों पर हर साल लाखों रुपए खर्च करने का फैसला लिया है। दरअसल, शादी से पहले जीत अडानी ने दिव्यांग महिलाओं के लिए 'मंगल सेवा' का कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत हर साल वो 500 दिव्यांग नवविवाहित महिलाओं को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद देंगे। जीत और दिवा की शादी के लिए खास अडानी फाउंडेशन से गिफ्ट्स आएंगे, जिनमें ट्रेडिशनल हैंडक्राफ्टेड चीजें, लकड़ी और मिट्टी के शोपीस भी शामिल होंगे। वही बेटे की शादी में आईं लेडीज के लिए प्रीती अदानी जी ने खास तैयारियां की हैं। मेहमानों के लिए करीब नाशिक के 400 कारीगरों ने पैठणी साड़ियां बुनी हैं। साड़ी के साथ-साथ मेहमानों को खास बीडेड नेकलेस, कमरबंद, नेल आर्ट और क्राफ्ट वाली चीजें भी मिलेंगी। जोधपुर से खास लॉक की चूड़ियां बनाने वाले भी शादी में आएंगे

अमेरिका से प्रत्यर्पित की गई गुजरात की मूल निवासी को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर लाए जाने के बाद सुरक्षाकर्मी उसकी सुरक्षा करते हुए। बुधवार को एक अमेरिकी सैन्य विमान 104 निर्वासित भारतीयों को अमृतसर लेकर आया।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य विपक्षी नेताओं ने नई दिल्ली में संसद भवन के मकर दिवस पर अमेरिका से कथित अवैध भारतीय प्रवासियों के निर्वासन को लेकर संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

पहले पति से अलग हुई महिला दूसरे हसबैंड से मांग सकती है गुजारा, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक महिला अपने दूसरे पति से भरण-पोषण पाने की हकदार है, भले ही उसकी पहली शादी वैधानिक रूप से चल रही हो। इस टिप्पणी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाईकोर्ट के 2017 के आदेश के खिलाफ एक महिला की याचिका स्वीकार कर ली। हाईकोर्ट ने आदेश में महिला को दूसरे पति की कानूनी पत्नी मानने से इन्कार कर दिया था, क्योंकि महिला की पहली शादी वैधानिक रूप से चल रही थी।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण-पोषण का अधिकार पत्नी को मिलने वाला लाभ नहीं है, बल्कि पति का कानूनी और नैतिक कर्तव्य है। महिला के वकील ने तर्क दिया कि महिला और प्रतिवादी पुरुष वास्तव में विवाहित जोड़े के रूप में रह रहे थे। साथ में एक बच्चे का पालन-पोषण कर रहे थे, इसलिए उसे भरण-पोषण का लाभ दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पहली शादी के तथ्य को दूसरे पति से छिपाया नहीं गया था। महिला के दूसरे पति ने दलील दी कि चूंकि अपीलकर्ता-महिला का पहले पति के साथ कानूनी रूप से विवाह है, इसलिए उसे उसकी पत्नी नहीं माना जा सकता और वह भरण-पोषण का दावा नहीं कर सकती। पीठ ने कहा, महिला को भरण-पोषण से मना नहीं किया जा सकता। यह स्थापित कानून है कि सामाजिक कल्याण के प्रावधानों को व्यापक और लाभकारी निर्माण के अधीन होना चाहिए।

ये है मामला

बता दें महिला की शादी 1999 में हुई थी। उसने 2000 में एक लड़के को जन्म दिया। 2005 में दंपती अलग-अलग रहने लगे। 2011 में करारनामे से दंपती ने शादी को खत्म कर दिया। फिर महिला ने दूसरी शादी कर ली। कुछ महीनों बाद दूसरा पति विवाह खत्म करने पारिवारिक अदालत पहुंचा। कोर्ट ने 2006 में विवाह अमान्य कर दिया। कुछ दिनों बाद महिला ने प्रतिवादी से दोबारा शादी कर ली। दंपती को 2008 में बेटी हुई। बाद में मतभेद होने पर महिला ने दहेज उत्पीड़न का केस कर दिया और भरण-पोषण के लिए पारिवारिक कोर्ट पहुंची। कोर्ट ने गुजारे भत्ते का आदेश दिया, जिसे प्रतिवादी की अपील पर हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। तब महिला ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

अभिनेत्री अमीषा पटेल ने हाल ही में अपने विचार साझा किए कि पिछले कुछ सालों में फिल्म उद्योग किस तरह विकसित हुआ है। एक स्पष्ट बातचीत में, उन्होंने अपनी पीढ़ी के अभिनेताओं और वर्तमान पीढ़ी के सितारों के बीच के अंतरों पर विचार किया, और सोशल मीडिया पर मौजूदगी की तुलना में ऑन-स्क्रीन प्रदर्शन को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया इंडिया टुडे डिजिटल से विशेष रूप से बात करते हुए, अमीषा ने कहा, मुझे वास्तव में लगता है कि हमारा समय बहुत अधिक वास्तविक था।

स्टाइलिश गाउन पहन सुरभि चंदना ने शेयर किया हॉट लुक, एक्ट्रेस की हर एक अदाओं पर दिल हार गए फैंस

सुरभि चंदना आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो बेहद ही ग्लैमरस और हॉट नजर आ रही हैं।

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस सुरभि चंदना हमेशा अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंटरनेट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने ऑरेंज कलर का बेहद ही स्टाइलिश गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। कानों में इयररिंग्स, खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि सुरभि चंदना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनका हर एक स्टाइल फॉलो करते हैं।

स्काई फोर्स की कमाई में आई कमी, 11वें दिन हुई अब तक की सबसे कम कलेक्शन

संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर द्वारा जॉइंटली निर्देशित, 'स्काई फोर्स' ने 24 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. भारत की पहली एयर स्ट्राइक पर बेस्ड एयर एक्शनर में अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया ने भारतीय वायुसेना अधिकारियों की भूमिका निभाई है. फिल्म में निमरत कौर और सारा अली खान भी अहम रोल में हैं. 'स्काई फोर्स' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया है और मेकर्स द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक ये फिल्म 100 करोड़ के पार हो चुकी है. चलिए यहां जानते हैं 'स्काई फोर्स' ने रिलीज के 11वें दिन कितना कलेक्शन किया है? 'स्काई फोर्स' ने सिनेमाघरों में रिलीज के 11 दिन पूरे कर लिए हैं.

सलमान खान की फिल्म सिकंदर में शामिल हुई वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन, जताई खुशी

अभिनेता सलमान खान काफी समय से अपनी आगामी फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की शूटिंग अपने आखिरी चरण में है। इस फिल्म में सलमान की जोड़ी रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। प्रतीक बब्बर और सत्यराज जैसे सितारे भी इस फिल्म में अभिनय करते नजर आएंगे। अब सिकंदर की स्टार कास्ट में वरुण धवन की भतीजी और अभिनेत्री अंजिनी धवन शामिल हो गई हैं। पिछले काफी समय से खबर आ रही थी कि निर्माताओं ने फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए अंजिनी से संपर्क किया था। अब आखिरकार वह फिल्म की स्टारकास्ट में शामिल हो गई हैं। अंजिनी ने खुद इसकी पुष्टि की। अंजिनी ने कहा, मैं इससे ज्यादा आभारी नहीं हो सकती। जब भी मैं सिकंदर के सेट पर जाती हूं, तो मुझे भरोसा नहीं होता। हर एक दिन एक सपने जैसा लगता है। अंजिनी ने सलमान की तारीफ की और कहा, मैं उनकी सबसे बड़ी प्रशंसक बन गई हूं। मुझे उनकी फिल्में बहुत पसंद है। मुझे शादी करोगी और पार्टनर जैसी उनकी फिल्में मेरी पसंदीदा फिल्में हैं। जब भी मेरा दिन खराब होता है, तो मैं सिर्फ पार्टनर देखती हूं और मैं बेहतर महसूस करती हूं। इसलिए सलमान के साथ काम करना एक सपने जैसा लगता है। अंजिनी ने पिछले साल आई फिल्म बिन्नी एंड फैमिली के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था। सिकंदर के निर्देशन की कमान आमिर खान की फिल्म गजनी का निर्देशन कर चुके एआर मुरुगादॉस ने संभाली है।

फिल्म नादानियां का पहला गाना इश्क में जारी, खुशी-इब्राहिम की दिखी खूबसूरत केमिस्ट्री

अभिनेता सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। वह कुछ समय से अपनी पहली फिल्म नादानियां को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में इब्राहिम की जोड़ी जाह्नवी कपूर की बहन और अभिनेत्री खुशी कपूर के साथ बनी है। आर्चीज और लवयापा के बाद यह उनके करियर की तीसरी फिल्म है। अब नादानियां का पहला गाना इश्क में रिलीज हो गया है, जिसमें खुशी-इब्राहिम की खूबसूरत केमिस्ट्री दिख रही है। इश्क में गाने को सचेत टंडन, असीस कौर और सचिन-जिगर ने अपनी आवाज दी है, वहीं इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। फिल्म में इब्राहिम ने नोएडा के मध्यमवर्गीय परिवार के एक मेहनती लड़के का किरदार निभाया है, वहीं खुशी इसमें दिल्ली की हिम्मती लड़की पिया की भूमिका में होंगी। शाउना गौतम ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है। हालांकि रिलीज की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन नादानियां में खुशी ने दक्षिण दिल्ली की लड़की पिया का किरदार निभाया है, जबकि इब्राहिम ने नोएडा के एक मध्यम वर्ग के लड़के अर्जुन का किरदार निभाया है। कहानी इस बात पर आधारित है कि कैसे विपरीत दुनिया के ये दो व्यक्ति एक-दूसरे से मिलते हैं, जिससे प्यार और आत्म-खोज की एक अप्रत्याशित यात्रा शुरू होती है। नादानियां का निर्माण करण जौहर, अपूर्व मेहता, सोमेन मिश्रा ने धर्मेटिक एंटरटेनमेंट के तहत किया है। फिल्म में महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज भी हैं। एक आधिकारिक बयान में, नादानियां के निर्माताओं ने साझा किया कि फिल्म आधुनिक रोमांस पर एक नया नज़रिया पेश करती है। उन्होंने कहा, हम इस कहानी को नेटफ्लिक्स पर देखने के लिए उत्साहित हैं, जहाँ दुनिया भर के दर्शक पहले प्यार की ऊर्जा का अनुभव कर सकते हैं। प्रशंसक इब्राहिम अली खान को स्क्रीन पर अपनी शुरुआत करते हुए और खुशी कपूर के साथ उनकी नई जोड़ी को भी देखेंगे ङ्क और हम इस आधुनिक प्रेम कहानी को सभी के साथ साझा करने का इंतज़ार नहीं कर सकते।

सैफ अली खान की ज्वेल थीफ का टीजर आउट, नेटफिलक्स ने टोस्टर और राणा नायडू 2 के टीजर भी किए रिलीज

सैफ अली खान और जयदीप अहलावत पहली बार नेटफ्लिक्स की ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स में स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे. मेकर्स ने सोमवार को नेक्स्ट ऑन नेटफ्लिक्स इवेंट के हिस्से के रूप में फिल्म का टीजर जारी किया, जहां स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने 2025 के लिए अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की लिस्ट भी अनाउंस कर दी. पठान, वॉर और फाइटर जैसी एक्शन से भरपूर ब्लॉकबस्टर फिल्मों के पहचाने जाने वाले डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने इसे बनाया है. यह फिल्म धोखे, रहस्य और एक्शन से भरपूर एक हाई-स्टेक थ्रिलर होने का वादा करती है. टीजर में जयदीप को एक पावरफुल क्रिमिनल के रूप में पेश किया गया है, जो दुनिया के सबसे मायावी हीरे- अफ्रीकी रेड सन को चुराने के लिए सैफ द्वारा निभाए गए एक चोर को काम रखता है. इस हीरे की कीमत 500 करोड़ रुपये है. टीजर में कुणाल कपूर की भी अहम भूमिका में झलक मिलती है. जनवरी में अपने घर पर हुए हमले के बाद सैफ अली खान का पहला प्रोजेक्ट अनाउंसमेंट है. नेटफ्लिक्स ने राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा स्टारर अपनी नई कॉमेडी टोस्टर का टीजर भी रिलीज किया है. कहानी एक साधारण शादी के तोहफे - एक फैंसी टोस्टर - से शुरू होती है, लेकिन जब शादी टूट जाती है तो यह पूरी तरह तब कहानी में कई मोड़ और रोमांच आते हैं. टीजर में राजकुमार और सान्या एक न्यूली वेड कपल को महंगा टोस्टर गिफ्ट में देने से पहले कुछ मजेदार बातें करते हैं. लेकिन जब चीजें बिगड़ जाती हैं, तो राजकुमार का किरदार टोस्टर वापस पाने के लिए हर संभव कोशिश करता है, जिससे कई मजेदार हादसे होते हैं. राणा दग्गुबाती का सबसे पसंदीदा क्राइम शो राणा नायडू अपने दूसरे सीजन के साथ वापस आ गया है. मुंबई में सोमवार को आयोजित एक भव्य नेटफ्लिक्स इवेंट में राणा नायडू सीजन 2 का टीजर लॉन्च किया गया. इस रोमांचक थ्रिलर की दूसरी किस्त में राणा और वेंकटेश दग्गुबाती के अलावा अर्जुन रामपाल भी नजर आएंगे. नेटफ्लिक्स ने राणा नायडू 2 का एक्शन से भरपूर टीजर रिलीज किया. राणा अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आखिरी काम पर निकलता है. इससे पहले कि वह फिक्सिंग के धंधे से हमेशा के लिए बाहर निकल जाए.

लक्ष्य लालवानी और राघव जुयाल की फिल्म किल ने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म हुलु पर दी दस्तक

लक्ष्य लालवानी और राघव जुयाल की फिल्म किल को बीते साल 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। एक्शन से भरपूर इस फिल्म में दोनों कलाकार की अदाकारी की खूब प्रशंसा हुई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसे दर्शक नसीब नहीं हुए। इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 24.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

अब किल अमेरिकी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म हुलू पर दस्तक दे चुकी है। यह फिल्म पहले से डिज्नी+ हॉटस्टार पर मौजूद है।

फिल्म कन्नप्पा से प्रभास की पहली झलक आई सामने, रुद्र के रूप में दिखा धांसू अवतार

कल्कि 2898 एडी की सक्सेस के बाद प्रभास एक बार फिर अपने फैंस का दिल जीतने के लिए तैयार हैं. अब प्रभास कन्नप्पा में नजर आने वाले हैं. ये फिल्म से प्रभास का लुक सामने आ गया है. जिसमें वो रुद्र के अवतार में नजर आ रहे हैं. प्रभास का लुक फैंस को काफी इंप्रेस कर रहा है. प्रभास ने अपने लुक का पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है. उन्होंने फर्स्ट लुक शेयर करते हुए लिखा-? दिव्य संरक्षक 'रुद्र'?. 'रुद्र'के रूप में अपने लुक का अनावरण. कन्नप्पा में अडिग रक्षक के रूप में शक्ति और ज्ञान का अवतारय भक्ति, त्याग और प्रेम की एक कालातीत यात्रा. फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. प्रभास के रुद्र लुक की बात करें तो वो लंबे बाल, माथे पर त्रिपुंड, गले में रुद्राक्ष की माला पहने नजर आ रहे हैं. प्रभास का लुक देखकर फैंस तारीफ कर रहे हैं.

साड़ी में पतली दिखने के 5 आसान टिप्स, जो आप नहीं जानती होंगी

साड़ी एक ऐसी पारंपरिक पोशाक है, जो हर उम्र की महिलाओं पर बहुत सुंदर लगती है। साड़ी पहनते समय कई महिलाएं अपने शरीर को स्लिम दिखाने के लिए चिंतित रहती हैं। सही कपड़े और स्टाइलिंग से आप आसानी से स्लिम दिख सकती हैं।

इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी टिप्स देंगे, जिनसे आप साड़ी में न केवल पतली बल्कि आकर्षक भी नजर आ सकती हैं, जिससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

साड़ी का कपड़ा होना चाहिए हल्का

साड़ी का कपड़ा आपके लुक को बहुत प्रभावित करता है।

अगर आप स्लिम दिखना चाहती हैं तो हल्के और मुलायम कपड़े जैसे जॉर्जेट या शिफॉन की साड़ियां चुनें। ये कपड़े शरीर पर अच्छी तरह से बैठते हैं और आपकी बॉडी को एक सुंदर आकार देते हैं।

भारी सिल्क या कॉटन की जगह इन हल्के कपड़ों का चयन करें क्योंकि ये आपके शरीर को भारी दिखा सकते हैं।

प्रिंट्स पर ध्यान दें

प्रिंटेड साड़ियों का चुनाव करते समय छोटे प्रिंट्स वाली साड़ियां लें क्योंकि बड़े प्रिंट्स आपको मोटा दिखा सकते हैं।

वर्टिकल स्ट्राइप्स वाली साड़ियां भी अच्छा विकल्प होती हैं क्योंकि वे लंबाई बढ़ाकर आपको पतला दिखाती हैं।

फ्लोरल या ज्योमेट्रिक पैटर्न वाली छोटी प्रिंट्स वाली साड़ियां ट्राई कर सकती हैं।

इस तरह से आप बिना किसी अतिरिक्त मेहनत के अपनी पसंदीदा साड़ी पहनकर भी स्लिम और आकर्षक नजर आ सकती हैं।

सही ब्लाउज का चयन करें

ब्लाउज का सही चयन भी आपको स्लिम लुक देने में मदद कर सकता है।

फिटेड ब्लाउज पहनें, जो आपकी कमर को उभार दे और छाती के आकार को संतुलित रखे।

गहरे रंगों के ब्लाउज चुनें क्योंकि ये आपके ऊपरी हिस्से को पतला दिखाते हैं। अगर आपका पेट थोड़ा बाहर निकलता है तो हाई नेक या फुल स्लीव्स वाले ब्लाउज आजमाएं, जो आपके लुक को आकर्षक और संतुलित बनाते हैं। इ

ऐसे ब्लाउज से आप आत्मविश्वास से भरी नजर आएंगी।

पल्लू ड्रेपिंग स्टाइल बदलें

पल्लू ड्रेपिंग स्टाइल आपके लुक को खास बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

पल्लू को ढीला छोड़ने के बजाय इसे कंधे पर कसकर पिन करें ताकि यह आपकी शरीर की रेखाओं को उभार सके।

इससे न केवल आपका पेट छुप जाएगा बल्कि कमर भी पतली लगेगी। साथ ही पल्लू की चौड़ाई कम रखें ताकि यह ज्यादा जगह न घेरे और आपके लुक को संतुलित बनाए रखे।

पपीता ही नहीं इसके बीज खाने के भी हैं ये कमाल के फायदे, ऐसे करें इस्तेमाल

पपीते का सेवन करना न केवल पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद है, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, त्वचा में निखारने और वजन कम करने में भी मदद करता है. लेकिन पपीता खाने के बाद लोग इसके बीजों को कूड़ा समझकर फेंक देते हैं. पपीते के बीज औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं और सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं. पपीते के बीजों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन, मिनरल्स और विटामिन मौजूद होते हैं, जो शरीर को डिटॉक्स करने के साथ-साथ कई स्वास्थ्य समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करते हैं. आज हम आपको पपीते के बीज के फायदे और उनका इस्तेमाल कैसे करें के बारे में बताएंगे.

पपीते के बीज के फायदे-

1. पपीते के बीज का सेवन करने से लीवर और किडनी को डिटॉक्सीफाई करने में मदद मिल सकती है. ये शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक होते हैं.

2. पपीते के बीजों में पपेन नामक एंजाइम पाया जाता है, जो पाचन में मदद करता है. ये पेट के कीड़ों को खत्म करने और कब्ज से राहत दिलाने में भी कारगर होता हैं.

3. पपीते के बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल को स्वस्थ रखने में मदद करता है.

4. पपीते के बीज में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो भूख को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे वजन में सहायता मिलती है. साथ ही वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है.

5. इसके अलावा पपीते के बीज में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट शरीर की रेसिस्टेंस केपिसिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे बीमारियों का खतरा कम हो जाता है.

ऐसे करें पपीते के बीज का इस्तेमाल-

1. आप पपीते के बीजों को सलाद में डालकर खा सकते हैं. ये सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. इसके लिए आपको पपीते के बीजों को हल्का भून लेना है इसके बाद इन्हें सलाद में मिलाकर खा सकते हैं. 2. पपीते के बीज का स्वाद कड़वा होता है. ऐसे में आप इन्हें शहद के साथ मिलाकर खा सकते हैं

3. पपीते के बीजों का सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है. अगर आप भी शरीर को डिटॉक्स करना चाहते हैं तो पानी में कुछ बीजों को पानी में उबालकर कर पिएं. ऐसा करने से शरीर को डिटॉक्स करने में मदद मिलेगी.

शब्द सामर्थ्य -318

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कस्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सूर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

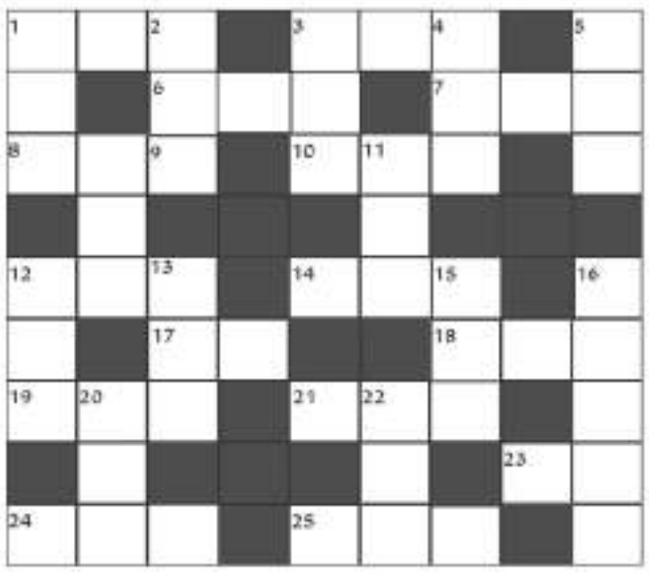

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 317 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गढ़ा में रात्रि में सोनू अहिरवार उम्र 31 वर्ष निवासी रामनगर गढ़ा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह गढा चौराहे पर फ्ल का ठेला लगाता है वह तथा उसके पिता रामजी अहिरवार फ्ल का ठेला लेकर घर आये कि अम्बर अहिरवार डंडा लेकर आया और गाली गलौज करते हुये शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगा, उसने मना किया तो अम्बर ने डंडा से हमलाकर सिर में चोट पहुँचा उसके पिता बीच बचाव करने लगे तो अंबर ने डंडा से हमलाकर पिता जी के सिर में चोट पहुँचा दी तथा जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया।

नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के विरोध में कांग्रेस पार्षद दल ने मानव श्रृंखला बनाकर निगम मुख्यालय में किया सांकेतिक विरोध प्रदर्शन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, उपनेता प्रतिपक्ष शगुफ्ता उस्मानी गुड्डू नबी एवं सचेतक अयोध्या तिवारी ने जानकारी देते हुये बताया है कि नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार, रूके हुए विकास कार्य एवं भारतीय जनता पार्टी की नगर सत्ता द्वारा लगातार की जा रही झूठी घोषणाओं जैसे कचरा कलेक्शन एवं कचरा संग्रहण की लचर व्यवस्था तथा शहर में व्याप्त अव्यवस्था का आलम यह है कि नगर निगम क्षेत्र में वर्तमान स्थिति में किसी रोड के गड्डे भरना होता है तो जोनों में डामल की व्यवस्था नहीं होती है । इन सभी जन समस्याओं के विरोध में कांग्रेस पार्षद दल द्वारा लगातार आंदोलन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज शुक्रवार 7 फरवरी को शाम 04.00 बजे नगर निगम मुख्यालय के सामने कांग्रेस पार्षद दल एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन कर चेतावनी दी गई कि निगम प्रशासन जल्दी नहीं चेता तो कांग्रेस पार्षद दल एवं जिला कांग्रेस द्वारा गली-मोहल्लों में जाकर भ्रष्टाचार एवं निगम सत्ता की नाकामियों का मटका फोड़कर पुरजोर तरीके से प्रदर्शन किया जायेगा ।

आज के कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, उपनेता प्रतिपक्ष शगुफ्ता उस्मानी गुड्डू नबी, सचेतक अयोध्या तिवारी, पार्षद सर्वश्री शेखर सोनी, श्रीमती मुकीमा याकूब अंसारी, अख्तर अंसारी, वकील अंसारी, गुलाम हुसैन, प्रमोद पटैल, सत्येन्द्र चौबे, श्रीमती तुलसा लखन प्रजापति, हर्षित यादव, श्रीमती गार्गी रामकुमार यादव, श्रीमती लक्ष्मी लक्ष्मण गोंटिया, राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि ताहिर अली, मनीष नायक, शिशिर नन्होरिया, मिंटू छिड़ौरिया, पंकज पटेल, प्रमोद पटेल, अतुल सोनी, सचिन बाजपेई, भानू यादव, मुन्ना सेन, कपिल भोजक, अरशद अली, अंकुर गुप्ता, विशाल अहिरवार, विक्की पटेल, रिंकू शर्मा, सौरभ नामदेव मिथुन शिवहरे, रोहित रैकवार, शुभम अग्रवाल, केशव कोरी, रंजीत ठाकुर, पुष्पेंद्र अहिरवार, सुरेन्द्र तिवारी, रवि सोनकर, राजेन्द्र चौकसे, सोनू बाजपेई, सौरभ यादव, मो. वसीम, शादाब अली, बादल पंजवानी, रिंकू बदलानी, नितिन अवस्थी, स्वप्निल त्रिवेदी, चन्ना राव, आशीष सावले, शैंकी सोनकर, अभिषेक सोनकर, आदर्श राजपूत, प्रतीक दुबे, विनोद बेन आदि उपस्थित थे ।

जबलपुर रेल मंडल में अंतर विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अंतर विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता पुरुष एवं महिला जिसमें क्रिकेट वालीबाल बास्केटबाल शतरंज बैडमिंटन एथलेटिक्स खेल का आयोजन रेलवे स्टेडियम में किया जा रहा है जिसका शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा द्वारा क्रिकेट खेल कर शुरू किया गया

पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल में दिनांक 08.02.2025 को तीन क्रिकेट मैच खेले गए जिसमें पहले मैच में स्×ञ्ज ने इलेक्ट्रिकल जी को 9 विकेट से हराया स्×ञ्ज ह्यद्ग महमूद ने सर्वाधिक 24 रन और एक विकेट लिया दूसरा मैच ञ्जक्त्न और टीआरएस ठ्ठद्ध के बीच खेला गया जिसमें टीआरएस ने ञ्जक्त्न को 8 विकेट से हराया टीआरएस की ओर से राहुल यादव ने सर्वाधिक 27 ह्न मारे तीसरा मैच स्टोर वर्सेस पर्सनल के बीच खेला गया जिसमें पर्सनल विभाग ने स्टोर विभाग को आठ विकेट से हराया पर्सनल विभाग की ओर से प्रवीन नेगी की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की मदद से विजय रहे इस मैच के अंपायर रहे श्री विक्रम जसरी श्री कैलाश यादव हसन अली श्री असलम अली और गुलाम गौस अंतर विभागीय प्रतियोगिता में खेलकूद अधिकारी श्री सुबोध विश्वकर्मा वरिष्ठ मंडल संरक्षण अधिकारी मुनव्वर खान वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता ञ्जक्त्न अक्षय कुमरावत वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक रजनीकांत साहू ब्रांच वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ इस सचिव श्री डीपी अग्रवाल सहायक सामग्री प्रबंधन, ठ्ठद्ध क्ष्वुद्य सहायक कार्मिक अधिकारी श्री सचिपति नंदन मंडल खेलकूद सचिव सुबोध मुकुन्द गोसावी एवं अन्य उपस्थित थे कल भी तीन मैच होंगे। पहला मैच 10ञ्00 बजे शुरू होगा।

प्राचार्यो की बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी ने की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी की समीक्षा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। 10वीं 12वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी को लेकर हाई स्कूल हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्यो की बैठक का आयोजन पंडित लज्जा शंकर झा मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में किया गया. बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर सभी आवश्यक सुविधायें उपलब्ध हो. सभी केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे लगे हो वह चालू हालत में हो. प्रत्येक केंद्र पर स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए.स्वच्छ पेयजल हो. शौचालय स्वच्छ हो. उनकी नियमित सफाई कराई जाए. कमरों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था हो. 100 मी के दायरे में किसी बाहरी व्यक्ति का आवागमन ना हो. प्रत्येक कमरे में घड़ी अनिवार्य रूप से लगी हो. जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने कहा कि सभी बच्चों की समय पर शतप्रतिशत उपस्थिति हो यह विशेष रूप से सुनिश्चित कर ले. सभी बच्चों को प्रवेश पत्र प्राप्त हो जाए. उन्होंने कहा कि विद्यालयों का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत हो प्रयास करें. छात्रों को ओएमआर शीट भरने का अभ्यास पहले से कराया जाए. उन्हें समय प्रबंधन समझाया जाए. विद्यालयों में वर्तमान में पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया जाए. अनुपस्थित छात्रों को शाला लाया जाए, कमजोर छात्रों के लिए अलग से कक्षाएं लगाई जाएं,प्राचार्य स्वयं इसकी मॉनिटरिंग करें समस्त स्टाफ को जवाबदेही देवें. प्रतिभाशाली छात्राओं का उत्साहवर्धन करें उन्हें प्रेरित करें उन्हें आदर्श उत्तर पुस्तिका दिखाए. प्रश्न पत्र के माध्यम से अभ्यास करावें उनका सही आकलन कर उत्तर पुस्तिका देखने के लिए दें. सभी शिक्षक अनिवार्य रूप से कक्षा में पढ़ावें. बैठक में जिले के समस्त हाई स्कूल,हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य उपस्थित थे

ऐतिहासिक हुआ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

भारत सहित पूरे विश्व में बढ़ा संस्कारधानी का गौरव - समिति ने मीडिया सहित सहयोगियों का माना आभार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सकल जैन समाज, वीतराग विज्ञान मंडल, जैन युवा फेडरेशन एवं त्रिशला महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित जैनदर्शन के सर्वोत्कृष्ट महामहोत्सव श्री महावीर स्वामी दिगंबर जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के 7 दिवसीय अनुष्ठान के सुंदर एवं ऐतिहासिक रूप से संपन्न होने पर भारत सहित सम्पूर्ण विश्व की सकल जैन समाज में संस्कारधानी जबलपुर का गौरव बढ़ा, पूरे देश एवं विश्व से संस्कारधानी पधारे हजारों जैन बंधुओं ने यहां के साधर्मी वात्सल्य, अतिथि सत्कार सहित आत्मीयता की कोटिश: सराहना कर सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी।

महोत्सव के मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन एवं नितिन जैन ने बताया कि मंगल महोत्सव के लिए शहीद स्मारक गोल बाजार में बनाई गई सुंदर कुंडलपुर नगरी में अपूर्व धर्म प्रभावना हुई जिसमें संस्कारधानी जबलपुर सहित पूरे विश्व से पधारे हजारों साधर्मिगणों ने आध्यात्म की गंगा, भक्ति की यमुना एवं सिद्धांत की सरस्वती ऐसी पावन त्रिवेणी में स्नान कर अपने आप को धन्य किया ओर भक्त से भगवान बनने वाले इस सुंदर अनुष्ठान की यादें संजोकर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान कर सफल आयोजन की आयोजक मंडल को दिल से शुभकामनाएं दी।

देव लोक से प्रतीत हो रहे सुंदर -

संस्कारधानी में जिनशासन का गौरव गाथा गाने वाले पिसनहारी की मढिया सहित सौ से अधिक दिगंबर जिनालय हैं उनमें दो नाम और जुड़ गए प्रथम श्री आदिनाथ दिगंबर जिनालय ज्ञानायतन करमेता एवं

द्वितीय गोल बाजार स्थित श्री महावीर स्वामी दिगंबर जिनालय धर्मायतन का जो मानो ऐसे प्रतीत हो रहे हैं कि सीधे देव लोक से उतर कर आएं हैं और साक्षात जिनशासन की मंगल प्रभावना का प्रतीक हो ओर ये दिनों कहान गुरुदेवश्री के तत्वप्रभावना योग से मंडल एवं फेडरेशन द्वारा निर्मित किए गए हैं जिनमें हजारों वर्ष तक गायक भगवान आत्मा की गूंज सुनाई देगी। ज्ञानायतन में शिविर को विविध अनुष्ठानों सहित शौभायात्रा के साथ छत्र, चंबर, भामंडल विराजमान किए गए जिसमें सकल समाज सम्मिलित हुई।

संसद आशीष दुबे ने किए धर्मायतन के दर्शन -

शनिवार को संस्कारधानी के सांसद दुबे धर्मायतन के दर्शन किए और मनोहारी जिनालय सहित सुंदर जिनबिम्ब, मानस्तंभ, स्वाध्याय भवन की मुक्तकंठ से सराहना कर सफल आयोजन के लिए जैन समाज सहित मंडल एवं फेडरेशन को शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर पं. भूपेंद्र शास्त्री विदिशा द्वारा सांसद श्री दुबे को जिनालय के दर्शन कराकर धर्मातयन कि जानकारी दी गई जिनके साथ अखिलेश जैन सीए, विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, रिंकु विज नगर निगम अध्यक्ष, महापौर जगत बहादुर अन्नू, पार्षद कमलेश अग्रवाल, अमित जैन, विप्लव अग्रवाल, प्रशांत जैन, अशोक जैन फुग्गा, नितिन जैन सीमेंट, हितेश जैन, जैन युवा फेडरेशन के अंकित जैन, आगम जैन, विशाल जैन, अखिलेश जैन, अभिषेक जैन दिगम्बर, शरद जैन के साथ फेडरेशन के सभी युवा साथियों द्वारा सांसद का स्वागत किया गया ।

सुंदर एवं सफल आयोजन टीम वर्क हैं -

मंडल अध्यक्ष अशोक जैन एवं फेडरेशन अध्यक्ष संजय जैन का कहना है कि यह सफलता टीम वर्क की है हमारे सभी जिनशासन सेवक सदस्यों ने जितने समर्पण एवं वात्सल्य भाव से कार्य किया ये सब उसका ही परिणाम है कि पूरे देश सहित विश्व से पधारे हजारों जिनवाणी तत्वरसिक स्वाध्याय प्रेमियों ने संस्कारधानी के अतिथि सत्कार की सराहना की ओर पूरे जबलपुर को साधुवाद दिया, यह सब जिनवाणी माता के स्वाध्याय का फल है। मंगल महोत्सव में दिल्ली से जिनशासन सेवक अहिंसा प्रेमी पारस जैन अपनी टीम सहित पधारे और जैनदर्शन के अनुसार पानी छानने की विधि सभी को बताई सिर्फ बताई ही नहीं 7 दिनों में एक लाख से अधिक साधर्मियों की शुद्ध एवं प्रासुक जल पिलाकर सभी को पानी का छानने का छन्ना वितरित कर सर्वोदय अहिंसा का उदाहरण प्रस्तुत किया जिसकी सभी ने सराहना की।

मंगल महोत्सव को सफल बनाने में सौधर्म इंद्र सहित समस्त इंद्र - इंद्राणी, पिताश्री के साथ समस्त राजा - रानी, अष्टकुमारिकाओं त्रिशला महिला मंडल, युवा फेडरेशन, नगर गौरव पंडित राजेंद्रकुमार जैन, प्रतिष्ठाचार्य पंडित रजनीभाई दोशी हिम्मतनगर, निर्देशक पंडित अभयकुमार शास्त्री देवलाली, संयोजक पंडित विराग शास्त्री, ब्रह्म. श्रेणिक जैन, डॉ. मनोज जैन, कुशल मंच संचालक पं. संजय शास्त्री जेवर कोटा, भूपेंद्र शास्त्री विदिशा, मंगलार्थी अनुभव जैन, सैंकड़ों विद्वतगणों सहित मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन, नितिन जैन, सम्मानीय मीडिया, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम, यातायात विभाग, विद्युत मंडल, आवास, भोजन, यातायात, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अतिथि व्यवस्था, दान विभाग सहित अन्य सभी का अपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ जिनका आयोजक मंडल ने आभार व्यक्त किया।

प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं की कार्यशाला का हुआ आयोजन हाई स्कूल हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने दिया गया मार्गदर्शन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी द्वारा जिलें के शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं की एकदिवसीय जिलास्तरीय कार्यशाला का आयोजन पंडित लज्जा शंकर झा मॉडल स्कूल में किया गया. इसमें कक्षा दसवीं के 90 एवं कक्षा 12वीं के 93 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की. जिले के विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की आदर्श उत्तर पुस्तिका दिखाकर विषयवार प्रश्नों के आदर्श उत्तर लेखन हेतु प्रेरित किया गया. निबंध लेखन, आवेदन पत्र, विराम चिन्हो का उचित प्रयोग, व्याकरण की कठिनाइयां, गद्यांश को अच्छे से पढ़ना उसका सही शीर्षक देना, चित्र बनाना, मानचित्र बनाना उन्हें नामांकित करना, समय प्रबंधन, अंक विभाजन ब्लूप्रिंट के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखना, सही भाषा शैली का उपयोग करना, तनाव न लेना, सही दिनचर्या का पालन करना, प्रश्नपत्रों हल करना, जांच के उपरांत कमियों, त्रुटि को दूर करना, उत्तर की शुरुआत अच्छे से हो,लिखने का निरंतर अभ्यास किया जाये.इस प्रकार कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आदर्श उत्तर लेखन से परिचित कराकर छात्र-छात्राओं को बोर्ड परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना रहा. छात्र-छात्राएं कार्यशाला में सहभागिता कर अत्यंत उत्साहित थे.कार्यशाला में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, मॉडल स्कूल की प्रभारी प्राचार्य उपमा गुप्ता, सीएम राइज अधारताल से नसीम खान, अजय रजक कृष्णकांतशर्मा आदि की उपस्थिति रही.

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना माढ़ोताल में रात्रि में मोहनलाल पटैल उम्र 48 वर्ष निवासी कस्तूरी सिटी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह एसी का व्यापार करता है वह तथा उसका भाई भूषण पटैल अपने परिवार के साथ अपने पेत्रक गांव आमगाव बडा करेली जिला नरसिंहपुर गये थे उसके बड़े भाई भूषण पटेल ने गांव में अपने मोबाइल से जबलपुर वाले घर के कैमरे देखे तो बंद आ रहे थे फिर हम लोगों ने पड़ौसी दीपाली गुप्ता से फोन से बात कर लाईट है कि नहीं पूछा तो बताई कि कालोनी में लाईट चालू है, संदेह होने पर जबलपुर वापस आकर देखे घर के सामने गेट के ताले टूटे हुये थे

घर के सामने पानी फैलाने पर हुए विवाद में रॉड से पीट-पीटकर हत्या

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में एक शख्स की रॉड से पीटकर हत्या कर दी गई. बताया जा रहा है कि आरोपी और उसका दो महीने पहले मामूली बात पर विवाद हुआ था. कल यानी गुरुवार को आरोपी ने रॉड से 3-4 वार किए और फरार हो गया. पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है. पूरी घटना पास ही लगे सीसीटीवी में कैद हो गई. इसका वीडियो आज सामने आया है.

वीडियो में कंडी रजक (51) सड़क किनारे बनी पट्टी पर बैठा हुआ है. उसके हाथ में रॉड है. आरोपी राजू उसके पास आया और गालियां देने लगा. फिर कंडी के हाथ से रॉड छीनकर ताबड़तोड़ तीन से चार वार किए. हमले से कंडी जहां बैठा था, वहीं गिर गया. कुछ लोगों ने आरोपी को पकडने की कोशिश की, लेकिन वह भाग निकला.

जानकारी मिलने पर अधारताल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी की तलाश शुरू की. गंभीर रूप से घायल कंडी को बाइक पर बैठाकर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया. यहां आज सुबह उसकी मौत हो गई. पुलिस ने आरोपी राजू को करौंदा बाइपास के पास से गिरफ्तार कर लिया है.

एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते हत्या की गई है. करीब दो माह पहले घर के सामने पानी बहाने को लेकर कंडी का पड़ोसी राजू से विवाद हुआ था. लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया था. इसके बाद से ही जब भी दोनों का सामना होता, वे विवाद करने लगते.

प्रत्यक्षदर्शी चंद्रभान रजक ने बताया कि शुक्रवार को कंडी रजक के साथ अधारताल में चाय पीने गया था. इसके बाद दोनों पैदल जवाहर नगर घर की तरफ जाने लगे. घर के पास की किराना दुकान से गुटखा खरीदा और फिर पास ही बैठ गए. मेरे मोबाइल पर कॉल आया तो मैं बात करने लगा. तभी वहां राजू आया और कंडी से विवाद शुरू कर दिया.

बेटा बोला- आरोपी ने पहले भी मारपीट की

मृतक कंडी रजक के बेटे अनिल रजक ने बताया, पिता ड्राइवर थे. आरोपी राजू पड़ोस में ही रहता है. इससे पहले भी उसने पिता के साथ शराब के नशे में गाली-गलौज और मारपीट की थी. पड़ोसियों ने समझाया तो माफी मांगने लगा.

4 जुआडी गिरफ्तार, नगद 7 हजार 450 रुपये जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी मझोली श्री जय प्रकाश द्विवेदी ने बताया कि रात्रि मे मुखबिर से सूचना मिली कि मझौली बस स्टेण्ड यात्री प्रतीक्षालय में कुछ जुआरी ताश पत्तों पर रूपये की हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे हैं सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी देते हुये जुआरी आकाश साहू निवासी वार्ड नम्बर 2 मझौली, दिलीप झारिया निवासी वार्ड नम्बर 13 मझौली, विवेक सोनी निवासी वार्ड नम्बर 7 मझौली, महेन्द्र झारिया निवासी वार्ड नम्बर 14 मझौली को ताश पत्तों पर रूपयों की हारजीत का दाव लगाकर जुआ मन्ना खेलते पकड़ा गया जुआरियों के पास एवं फड़ से ताश के 52 पत्ते एवं 7 हजार 450 रूपये जप्त करते हुये धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। उल्लेखनीय भूमिका- जुआरियों को पकड़ने में उप निरीक्षक अमित मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक रामसनेही पटैल, प्रधान आरक्षक नीलकंठ पटैल, आरक्षक धर्मेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

दिन में कॉलोनियों की रैकी, रात में करते थे चोरी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गोहलपुर व अधारताल थाना क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं की पतासाजी में पुलिस ने चोर गिरोह के आठ सदस्यों को पकड़ा है। इसमें एक किशोर भी शामिल है। इनके कब्जे से चोरी की 4 वारदातों में करीब 15 लाख के सोने-चाँदी के जेवर बरामद किए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दिन में कॉलोनियों में घूम कर सूने मकान की रैकी करते थे और रात में चोरी को अंजाम देते थे। यह जानकारी एएसपी आनंद कलादगी ने पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित एक पत्रवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि अधारताल कंचनपुर सनसिटी निवासी सुनील कुमार, आयशा नगर निवासी श्रीमती अंजुम व गोहलपुर समता कॉलोनी निवासी प्रियंका चौधरी के सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। इन घटनाओं की पतासाजी के दौरान संदेह के आधार पर हनुमानताल निवासी मो. फैज, बाबा टोला निवासी अभिषेक उर्फ महेश चक्रवर्ती, गज्जू उर्फ देवेंद्र चौधरी, टेढ़ीनीम निवासी छोटे उर्फ जमाल अंसारी, सिंधी कैंप निवासी लक्ष्मण अहिरवार, भगवानदास अहिरवार, चौपड़ा कुआँ निवासी समीर खान व 17 वर्षीय किशोर को पकड़ा गया। पूछताछ में इन्होंने चोरी की वारदातें करना कबूल किया।

रोटेरियन बलदीप मैनी लाईफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड से सम्मानित हुए

चार दशक सेवा को समर्पित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। चार दशकों से समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रोटेरियन बलदीप सिंह मैनी को रोटरी सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया. समाजसेवा के क्षेत्र में जीवन पर्यन्त उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बलदीप मैनी को मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने रोटरी सेवा सम्मान से अलंकृत किया. सम्मानस्वरूप उन्हें शाल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र भेंट किया गया. इस अवसर पर राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा, प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अखिल मिश्रा, डॉ. जितेन्द्र जामदार, अनिरूध्द राय चौधरी, शरत चन्द्रा, डॉ. राजेश धीरावाणी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे. उल्लेखनीय है कि बलदीप मैनी नि:शक्त जन कमिश्नर सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं और वर्तमान में राज्यसभा सांसद के ओएसडी हैं.

अकाल मृत्यु

जबलपुर- थाना खमरिया में जबलपुर हास्पिटल से सूचना मिली कि अन्नया सोनी उम्र 21 वर्ष निवासी पंजाब कालोनी डुमना नेचर पार्क के आगे एयरपोर्ट रोड़ थाना खमरिया में शाम लगभग 6-35 बजे सड़क

बाल-बाल बचे सभी सवार, गाड़ी जलकर हुई खाक

दमोह से मरीज लेकर जबलपुर आ रही कार में लगी भीषण आग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित प्रज्ञाधाम के पास शुक्रवार 7 फरवरी की दोपहर एक कार अचानक धू-धू कर जलने लगी. यह घटना उस समय हुई जब दमोह जिले के कुछ लोग एक मरीज को लेकर कार से जबलपुर आ रहे थे. कार में आग लगते ही चालक ने तुरंत वाहन रोका और सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए. देखते ही देखते कार में भीषण आग लग गई. घटना की सूचना मिलते ही कटंगी से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन कार पूरी तरह जलकर राख हो गई. घटना शुक्रवार दोपहर लगभग 2 बजे की है, जब तीन लोग दमोह से जबलपुर की ओर जा रहे थे. जैसे ही कार कटंगी थाना क्षेत्र के प्रज्ञाधाम के पास पहुंची, अचानक उसमें से धुआं निकलने लगा. चालक ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत कार को सड़क किनारे रोका और देखा कि इंजन के पास से धुआं उठ रहा है. उन्होंने तत्काल मरीज को कार से बाहर निकाला, इतने देर में आग विकराल रूप ले चुकी थी. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी. करीब 20 मिनट बाद दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग को बुझाया. एक दमकल कर्मचारी ने बताया कि, उन्हें फोन पर सूचना मिली थी कि एक काली कार में आग लगी है. सूचना मिलते ही टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और आग पर काबू पाया. मरीज को प्राथमिक उपचार के लिए बाइक से कटंगी अस्पताल भेजा गया, जहां से 108 एम्बुलेंस की मदद से परिवारजन उसे इलाज के लिए जबलपुर ले गए.

झूठ,फरेब व भ्रष्टाचार की आप-दा छट गई -राकेश सिंह

सेवा, सुशासन व राष्ट्रवाद का कमल दिल्ली में खिलने पर भाजपा ने मनाया जश्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। दिल्ली मोदी की गारंटी को निरंतर साकार होते देख रही है और झूठ, फरेब व भ्रष्टाचार की आप-दा छट गई है उसी का सुपरिणाम है कि उसने भाजपा को प्रचंड जनादेश दिया है, यह बात लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की स्वर्णिम विजय पर सभी दिल्लीवासियों और कर्मठ भाजपा कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देते हुए भाजपा द्वारा मालवीय चौक में आयोजित मिष्ठान वितरण के अवसर पर कही। श्री सिंह ने कहा प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र जी के विजनरी नेतृत्व और राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री जेपी नड्डा जी के कुशल निर्देशन में मिली यह ऐतिहासिक जीत देश में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर अथाह जन-विश्वास का प्रतीक है। श्री सिंह ने कहा राहुल गांधी अपने संकल्प के बहुत पक्के हैं। यह उनका ही संकल्प है, जिस कारण वे बड़ी ही शिद्दत से कांग्रेस को शिखर से शून्य तक ले आए हैं जिस तरह दिल्ली में उन्होंने कांग्रेस के शून्य के रिकॉर्ड को बरकरार रखा है उसी तरह बचे हुए राज्यों में भी कांग्रेस शून्य की यात्रा में जायेगी ऐसा दिखता प्रतीत हो रहा है। सांसद श्री आशीष दुबे ने इस अवसर पर देश और दिल्ली की जनता को शुभकामनाएं देते हुए कहा यह मोदी जी के विकास और विश्वास की जीत है और इस जीत ने साबित कर दिया है कि दिल्ली की जनता 10 साल

के कुशासन से सुशासन की ओर बढ़ रही है। नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने कहा दिल्ली की जनता को दस साल के आपदा के कुप्रबंधन से आज मुक्ति मिली है, यह भाजपा के कार्यकर्ताओ की मेहनत और हमारे नेतृत्व के प्रति जनता का विश्वास ही है कि अरविंद केजरीवाल के साथ उनके सभी प्रमुख नेताओं को जनता ने घर बैठा दिया है।

उन्होंने कहा दिल्ली में मिली इस जीत पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा मालवीय चौक में मिष्ठान वितरण किया गया और उत्साहित कार्यकर्ताओ ने आतिशबाजी कर खुशी व्यक्त की है। इस अवसर पर ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अजय विश्नोई नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, पूर्व विधायक शरद जैन, हरेदंद्रजीत सिंह बब्बू, निलेश अवस्थी, पूर्व अध्यक्ष जीएस ठाकुर, पूर्व महापौर सदानंद गोड़बोले, स्वाति गोडबोले, अरविंद पाठक, पंकज दुबे, रजनीश यादव, संदीप जैन, अभय सिंह ठाकुर, जय सचदेवा, तृष्णा चटर्जी, रंजीत पटेल, बाबा श्रीवास्तव, डिंपी विश्वकर्मा , संतोषी ठाकुर, कमलेश अग्रवाल, सोनू बचवानी, रूपा राव, योगेंद्र सिंह राजपूत, उवेज अंसारी, शिवा चौधरी, मनीष जैन कल्लू, प्रमोद चोहटेल, श्रीकांत साहू, रवि शर्मा के साथ मंडल अध्यक्ष, पार्षद एवम बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर कर बना था मददगार, एक जुआ फड़ संचालक भी है साथ में

भाजयुमो नेता को पकड़ने उज्जैन गई पुलिस लेकिन पहले ही हो गया फरार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पाटन थाना क्षेत्र स्थित ग्राम टिमरी में 4 युवकों की नृशंस हत्या के आरोपियों को रुपए एवं मदद पहुँचाने वाला आरोपी भाजयुमो नेता पुलिस गिरफ्तारी के डर से उज्जैन में छिप गया था। इसकी जानकारी मिलने पर जैसे ही पुलिस वहाँ पहुँची, उसके पहले ही वह वहाँ से फरार हो गया। इधर पुलिस की अब तक कि जाँच में यह बात सामने आई है कि भाजयुमो नेता ने आरोपियों को पिपरिया में एमपी ऑनलाइन के माध्यम से रुपए भेजे थे। इसके बाद पाटन पुलिस ने एमपी ऑनलाइन के संचालक को शुक्रवार को तलब किया और उसके बयान दर्ज होने पर पूरी हकीकत सामने आ गई। ऑनलाइन सेंटर पहुँचे थे कुछ लोग पुलिस पूछताछ में एमपी ऑनलाइन सेंटर के संचालक ने बताया कि 27 जनवरी की सुबह करीब 10

पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम टिमरी में 4 युवकों की हत्या का मामला

लोग उसके सेंटर में पहुँचे थे। वहाँ से उन्होंने एक कॉल किया, उसके एमपी ऑनलाइन में 10 हजार रुपए की रा?शि ऑनलाइन आ गई। सेंटर संचालक ने आरोपियों को वह नकद रा?शि दी, जिसे लेकर वे लोग दुकान से वापस चले गए। कॉल डिटेल्स में सामने आई नई सच्चाई आरोपियों द्वारा उपयोग किए गए फोन की जब पुलिस टीम ने कॉल रिकॉर्ड डीटेल्स खँगालीं, तब यह जानकारी सामने आई है कि आरोपियों ने उक्त फोन से भाजयुमो नेता को कॉल किया था। इसके बाद उनका फोन बंद हो गया। वहीं भाजयुमो नेता के फोन की कॉल रिकॉर्ड डीटेल्स की भी जाँच की गई, जिसमें वारदात के समय उसकी आरोपियों के नए नम्बर समेत अन्य लोगों से भी बातचीत होने की जानकारी सामने आई है। एक जुआ फड़ संचालक भी है शामिल पुलिस को यह जानकारी लगी? थी कि उक्त भाजयुमो नेता पुलिस को चकमा देने के लिए उज्जैन चला गया है। उसके साथ में शहर का एक जुआ फड़ संचालक भी है। यह पता चलने पर पुलिस टीम उज्जैन पहुँची लेकिन इसकी भनक लगते ही भाजयुमो नेता और उसके साथी ने फोन बंद कर लिया और दोनों वहाँ से भाग निकले। आगे की लोकेशन नहीं मिलने से पुलिस टीम वापस लौट आई है। पुलिस ने भाजयुमो नेता और उसके साथी के अलावा दोनों के परिजनों, करीबियों और रिश्तेदारों के फोन भी सर्विलांस पर डाले हैं, ताकि यदि भाजयुमो नेता और उसका साथी किसी से सम्पर्क करे तो पुलिस को तत्काल इसकी जानकारी लग जाए।

अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 1 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर- थाना प्रभारी मझगवा श्री धन्नू सिंह गौड़ ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर प्रतापपुर घुघरी रोड़ सूखा नाला मोड़ के पास दबिश देते हुये बोलेरो कार क्रमांक एमपी 20 सीबी 9722 को रोककर चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम मनोज चौधरी उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम कूम्ही सतधारा बताया जो वाहन में 5 पेटियों में 200 पाव देशी एवं 48 पाव अंग्रेजी शराब रखे मिला जिसके संबंध में पूछताछ करने पर चालक ने प्रतापपुर शराब दुकान के मैनेजर रामनरेश शिवहरे द्वारा उक्त शराब उपलब्ध कराना बताते हुये शराब को ग्राम घुघरी छोड़ने जाना बताया, आरोपी मनोज चौधरी के कब्जे से 200 पाव देशी शराब, 48

अवैध हथियार सहित 2 आरोपी युवक पकड़े गये

3 पिस्टल एवं 2 कारतूस तथा 2 चाकू जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना संजीवनी नगर में क्राईम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि अमन दाहिया निवासी परसवाड़ा धनवंतरीनगर का अपने कब्जे में अवैध हथियार पिस्टल एवं चाकू रखकर किसी विक्रय करने की फिराक में कछपुरा ब्रिज के नीचे ग्राहक का इंतजार कर रहा है सूचना पर क्राईम ब्रांच एवं थाना संजीवनी नगर की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश देते हुये कछपुरा ब्रिज के नीचे मुखबिर के बताये हुलिये के लड़के को घेराबंदी कर पकड़ा गया जिसने पूछताछ पर अपना नाम अमन दाहिया उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम परसवाड़ा संजीवनीनगर बताया जो तलाशी लेने पर थैले में देशी 2 पिस्टल, 2 कारतूस 2 चाकू, रखे मिला, उक्त हथियार के संबंध में पुछताछ करने पर रामराजा दुबे निवासी पन्ना पवई से 25 हजार रूपये में खरीदना बताते हुये रामराजा दुबे पहले भी हथियार बेचने के अपराध में पकडा जा चुका है बताया है । आरोपी अमन दाहिया के कब्जे से उक्त अवैध हथियार जप्त करते दोनों आरोपियों के विरूद्ध धारा 25, 27, 29 ए, 29 बी आयुध अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुये आरोपी रामराजा दुबे की तलाश जारी है। उल्लेखनीय भूमिका- आरोपी को अवैध शस्त्र के साथ रंगे हाथ पकड़ने में थाना प्रभारी संजीवनी नगर श्री बी.डी. द्विवेदी, सहायक उप निरीक्षक श्रीकांत मिश्रा प्रधान आरक्षक शारदा त्रिपाठी, आरक्षक नरेन्द्र परते, आरक्षक आकाश पाण्डे, योगेश चन्द्रौल तथा थाना प्रभारी अपराध श्री शैलेष मिश्रा के निर्देशन में क्राईम ब्रांच के उप निरीक्षक चंद्रकांत झा, सहायक उप निरीक्षक धनंजय सिह , प्रधान आरक्षक संजय मिश्रा, आरक्षक राजेश मिश्रा, त्रिलोक पारधी, की सराहनीय भूमिका रही। इसी प्रकार थाना प्रभारी पनागर अजय बहादुर सिंह ने बताया कि दिनांक 7-2-25 को मुखबिर से सूचना मिली कि आजाद वार्ड पनागर में आजाद वार्ड पनागर का रहने वाला अंश उर्फ डेनी पटैल काले रंग का जैकेट तथा नीला लोवर पहने हाथ में एक पिस्टल लिये घूम रहा है तथा आने जाने वाले लोगों को डरा रहा है सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहां आम रोड़ पर मुखबिर के बताये हुलिये का युवक दाहिने हाथ में पिस्टल लिये घूमता दिखा जिसे घेराबंदी कर पकडा जिसने नाम पता पूछने पर अपना नाम अंश उर्फ डेनी पटैल उम्र 19 वर्ष निवासी आजाद वार्ड पनागर बताया,

शब ए बारात की तैयारी को लेकर कब्रिस्तान की सफाई के लिए चार पार्षदों के नेतृत्व में सफाई विभाग का अमला मैदानी स्तर पर उतरा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। 13 फरवरी को मुस्लिम समाज का महत्वपूर्ण पर्व शब-ए-बारात है, इस मौके पर मुस्लिम धर्मावलंबियों का कब्रिस्तान जाना जरूरी होता है। स्वच्छता अभियान को भी ध्यान में रखते हुए इस पवित्र स्थान (मंडी मदार टेकरी कब्रिस्तान) की सफाई के लिए मुस्लिम क्षेत्र के डॉ जाकिर हुसैन वार्ड पार्षद मुकीमा याकूब अंसारी, ठक्कर ग्राम वार्ड पार्षद गुलाम हुसैन, अब्दुल कलाम आजाद वार्ड पार्षद सरदार अख्तर अंसारी,अशफाक उल्ला खान वार्ड पार्षद वकील अहमद अंसारी ने अपने-अपने वार्ड के सफाई कर्मचारी, सुपरवाइजर, टिप्पर,जेसीबी मशीन आदि संसाधनों के साथ पूरी टीम लेकर आज सफाई अभियान के लिए मैदानी स्तर पर उतरे । जहां 12 टिप्पर कचरा और कई ट्राली मलमा उठाकर कब्रिस्तान के एक हिस्से को साफ किया गया। यह अभियान लगातार 13 फरवरी तक चलाया जाएगा सभी पार्षदों साथियों ने कब्रिस्तान आने वाले सभी ज़ायरीन से कब्रिस्तान को स्वच्छ रखने और सफाई व्यवस्था में सहयोग करने एवं कचरे को कचरा गाड़ी में डालने की अपील की है जिससे कि पूरा क्षेत्र साफ सुथरा रहे।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 377 दिनांक 08.02.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री राजकुमार केमतानी, पिता- स्व. श्री जी.डी. केमतानी** ने मकान नं. 1822 सम्पत्ति पिन नं. 1000494108 **वार्ड मदन महल-15 वार्ड ,** क्षेत्रफल 4100 व.फु., भूतल 1050 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 475/ 2024/2025 दिनांक 07.02.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री दिनेश कुमार चौकसे, पिता- स्व. श्री भोजराज चौकसे** ने भवन क्रं. 654 पिन क्र. 1000510963 **वार्ड क्र. 06, वार्ड इंदिरा गांधी ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्री धरमदास चौकसे, पिता- श्री चोखेलाल चौकसे, भूतल 780 व.फु. आर.सी.सी., भूतल 881 व.फु. सीमेंट शीट, भूतल 140 व.फु. कच्चा, प्रथमतल 374 व.फु. आर.सी.सी. , **वसीयतनामा, त्यागपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 474/ 2024/2025 दिनांक 07.02.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री राकेश दुबे, पिता- स्व.श्री लक्ष्मी प्रसाद दुबे** ने भवन क्रं. 1076 पिन क्र. 1000501673 **वार्ड क्र. 06, वार्ड इंदिरा गांधी ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) काबिज श्री राकेश दुबे, पिता श्री लक्ष्मी प्रसाद दुबे, क्षेत्रफल 1262 व.फु., भूतल 1000 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 1000 व.फु. आर.सी.सी. , **शपथ पत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 473/ 2024/2025 दिनांक 07.02.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री अमित तिवारी, पिता- श्री अभय कुमार तिवारी** ने भवन क्रं. 1987 पिन क्र. 1000491025 **वार्ड क्र. 16, वार्ड महाराणा प्रताप ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्रीमती प्रभा तिवारी, पति- श्री अभय तिवारी, भूतल 875 व.फु. आर.सी.सी., भूतल 184 व.फु. सीमेंट शीट , **व्यवस्था पत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 472/ 2024/2025 दिनांक 07.02.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती सरोज भलावी, पति श्री पंचम प्रधान** ने भवन क्रं. 975/अ-1 पिन क्र. .....**वार्ड क्र. 03, वार्ड त्रिपुरी ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्री शंकर विश्वकर्मा, पिता- स्व. श्री सूरज प्रसाद विश्वकर्मा, क्षेत्रफल 1500 व.फु., भूतल 1350 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 साठियां कुआं जबलपुर से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। मो.नं. 9300696096, भोपाल 9425025999